आज का विचार

किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं होती है बल्कि उसका संस्कार होता है।

दैनिक

# सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 वर्ष 23, अंक 173, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

# समाज और देश की प्रगति के लिए प्रत्येक व्यक्ति निरंतर सेवा भाव से करे कार्य: नायब सैनी

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वामी कल्याणदेव महाराज जी की 21वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) में स्थित शुकदेव आश्रम में स्वामी कल्याणदेव महाराज जी की 21वीं पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वामी कल्याण देव जी महाराज की प्रतिमा का भी अनावरण किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम माँ गंगा के पावन तट पर स्थित महान महर्षि शुकदेव की धरती पर एकत्रित हुए हैं। भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम विशेष स्थान है। यह आश्रम न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, सेवा और संस्कृति का भी प्रतीक है। स्वामी जी की प्रतिमा नई पीढ़ियों को स्वामी जी के कार्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की हमेशा याद दिलाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि स्वामी ओमानन्द जी महाराज इस आश्रम की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं और शुकदेव जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा के कार्यों को सेवा भाव से कर रहे हैं। स्वामी जी के मार्गदर्शन में इस आश्रम का शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इस धरती पर हजारों साल पहले महर्षि शुकदेव जी महाराज ने परीक्षित को भागवत कथा सुनाकर मोक्ष का मार्ग दिखाया था। इस महान तीर्थ के उद्धार में संत कल्याणदेव महाराज ने अपना पूरा जीवन लगाया था ' स्वामी कल्याणदेव जी महाराज का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनके विचार और कार्य असाधारण थे। उन्होंने कम उम्र में ही सांसारिक मोह माया का त्याग कर आध्यात्मिक पथ अपनाया। यह पावन भूमि इसी महान संत, शिक्षाविद और समाज सुधारक की तपोभूमि है। वे केवल एक संत नहीं थे, वे अपने आप में एक संस्था थे, जहां से मानवता और समाज सेवा की धारा निरंतर बहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी कल्याण देव जी ने अपने 129 सालों के लम्बे जीवनकाल में ज्ञान, शिक्षा और समाज सेवा को अपना धर्म बनाया। इस महान संत ने वर्ष 2004 में अपने नश्वर शरीर का त्याग किया ' उन्होंने अनेक स्कूल, कॉलेज और गुरुकुलों की स्थापना की। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ, छुआछूत, जातिगत भेदभाव और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई, भाईचारे और प्रेम का संदेश भी दिया। समाज की अतुलनीय एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए भारत सरकार द्वारा स्वामी कल्याणदेव जी महाराज को वर्ष 1982 में पद्मश्री से तथा वर्ष 2000 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आश्रम में स्वामी कल्याण देव सेवा ट्रस्ट की स्थापना की गई है। यह ट्रस्ट विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सहायता करता है। यह शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने आान किया कि हम सभी स्वामी जी के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने शुकदेव तीर्थ पर उड़िया की पुस्तक का विमोचन किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने शुकदेव तीर्थ पर हरियाणा भवन बनाने के लिए 11 लाख रुपये दान देने की घोषणा की। इस अवसर पर स्वामी ओमानन्द जी महाराज ने अपने शुभाशीष संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के सरल स्वभाव और मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि मुख्यमंत्री का शुकदेव आश्रम से बड़ा पुराना नाता है। उन्होंने भारत की समृद्ध संत परंपरा पर विचार व्यक्त किए और कहा कि संतों ने देश को आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य समाज के उत्थान के कार्य को गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह जी का जीवन नैतिक मूल्यों का प्रतीक है और वे निरंतर लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने भगवान बुद्ध और स्वामी विवेकानंद जी के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि उनका जीवन मानवता की सेवा में लगा है। हमें उनके जीवन को अपने जीवन का आदर्श मानकर अपनी जीवनचर्या चलानी चाहिए। इस अवसर पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, शुकदेव आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एम. एल. रंगा, राज्यसभा सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा, सहित आश्रम के ट्रस्ट के पदाधिकारी, विधायक मिथिलेश, नेतागण एवं देश के विभिन्न स्थानों से पधारे श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



# सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ चल सकती है : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भारत विकास परिषद के 63वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही।

अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोग पूछते हैं कि राम मंदिर से क्या लाभ होगा, लेकिन वे नहीं समझते कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और तकनीकी उन्नति साथ-साथ हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर भी बनवाया और 5जी नेटवर्क व डिजिटल पेमेंट जैसी सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंचाई हैं।

शाह ने भारत विकास परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था सेवा, संगठन और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि 63 वर्षों तक निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करना किसी तपस्या से कम नहीं है। यह संस्था न केवल सेवा करती है, बल्कि भारतीयों को भारत के मूल तत्वों से जोड़ने का कार्य भी कर रही है।

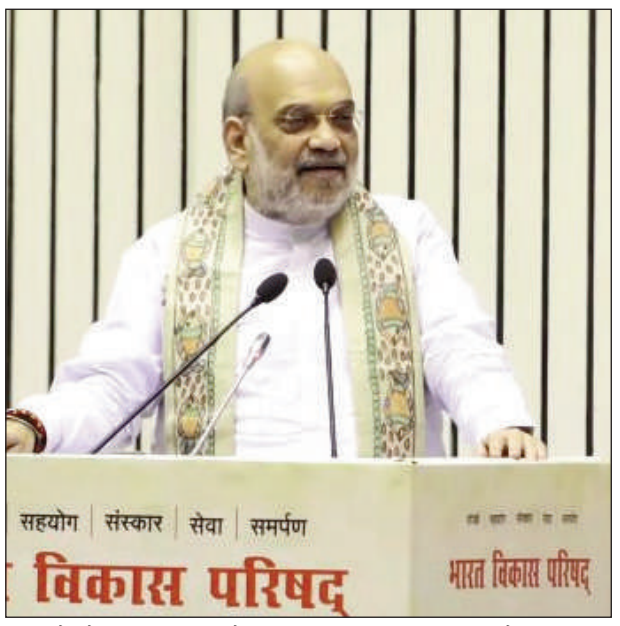

उन्होंने परिषद को उन लोगों के लिए सेवा का सेतु बताया जो सेवा करना चाहते हैं और जो सेवा के पात्र हैं। आज परिषद देश के 412 जिलों में 1600 से अधिक शाखाओं और 84 हजार से ज्यादा परिवारों के साथ जुड़ी हुई है।




शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत 2047 की संकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद इस दिशा में एक मुख्य सेवक की तरह कार्य कर रही है। उन्होंने मोदी द्वारा दिए गए पांच सूत्रों झ विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और कर्तव्य भावना झ को भारत विकास परिषद की कार्यशैली से जोड़ते हुए उसकी सराहना की।

उन्होंने इंडिया गेट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थापना को ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि उस समय ऐसा लगा मानो भारत आज ही स्वतंत्र हुआ हो।

शाह ने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक विचार है, जो सेवा को जीवन का स्वभाव बनाकर भारत को आत्मनिर्भर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र बनाने के प्रयास में जुटा है।

## केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी कर्नाटक को देंगे सड़क परियोजनाओं की सौगात

शिवमोग्गा। कर्नाटक के शिवमोग्गा ज़िले में शरावती बैकवाटर पर निर्मित देश का दूसरा सबसे लंबा केबल ब्रिज आज आधिकारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। इस पुल का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा किया जाएगा। नितिन गडकरी आज कर्नाटक में बनने वाले 9 राष्ट्रीय राजमार्गों का शिलन्यास भी करने वाले हैं। शिवमोग्गा ज़िले में इस पुल का निर्माण होने से स्थानीय निवासियों के दशकों पुराना सपना साकार हुआ है। यह परियोजना वर्ष 2010 में आरंभ होकर 2025 में पूर्ण हुई है, इसकी कुल लागत 423.15 करोड़ रुपये रही। यह पुल सागर कस्बे से होसनगर तालुका के मरकुटुक तक ग्रामीण सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित करते हुए पहले चरण में तैयार किया गया है। केंद्रीय मंत्री गडकरी आज सुबह नागपुर से विशेष विमान द्वारा शिवमोग्गा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां से वे हेलिकॉप्टर द्वारा सिगंदूर जाएंगे और वहां के वहां देवी मंदिर में दर्शन करने के बाद वे पुल का विधिवत उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे सागर के नेहरू मैदान में आयोजित सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदयुरप्पा, सांसद बी.वाई. राघवेंद्र, विधायक गोपालकृष्ण बेलूर सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहेंगे। मंत्री नितिन गडकरी आज लगभग 925 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 369 परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे, जिसके अंतर्गत सागर से मरकुटुक तक डबल लेन सड़क का निर्माण होगा। इसके अलावा सागर बाईपास सड़क परियोजना की भी शुरूआत की जाएगी। पुल उद्घाटन के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को आम और केले के पत्तों से सजाया गया है। साथ ही सिगंदूर मंदिर समिति द्वारा लकड़ी से निर्मित पुल का मॉडल भी अतिथियों के लिए प्रदर्शन में रखा गया है। यह पहली बार है जब शरावती द्वीप के लोग सुगम परिवहन का अनुभव करेंगे। यह पुल भविष्य में पर्यटन और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

# हरियाणा के राज्यपाल होंगे असीम घोष

## कहा- जिस दिन बंगाल अपनी पुरानी गौरवशाली पहचान लौटाएगा, उसका इंतजार है

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

राज्य राजनीति के एक पुराने और चर्चित चेहरे असीम घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। असीम घोष पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और अब वे हरियाणा के 19वें राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

असीम घोष ने अपनी नियुक्ति के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹यह एक बड़ा दायित्व है। यह एक संवैधानिक पद है, और मैं पूरी निष्ठा से संविधान के अनुरूप कार्य करूंगा। मुख्यमंत्री (नयाब सिंह सैनी), उनके मंत्रिमंडल और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर हरियाणा के विकास के लिए काम करूंगा। कोशिश करूंगा कि मुख्यमंत्री को सही सुझाव दे सकूं।₹

38 वर्षों तक शिक्षण कार्य से जुड़े रहने के बाद असीम घोष ने लगभग 15 वर्षों तक सक्रिय राजनीति में भाग लिया। अब वे पहली बार किसी संवैधानिक पद की जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं।

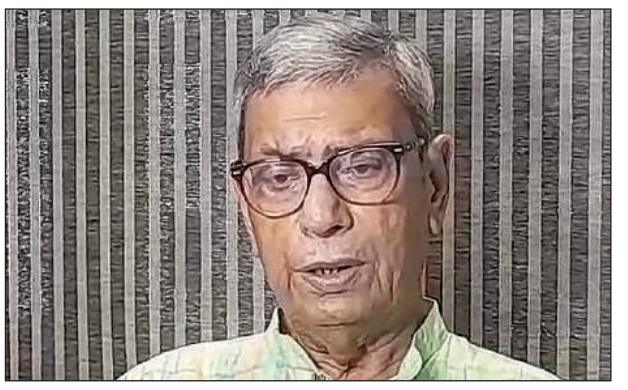

शिक्षा और जनजातीय समुदायों के विकास पर रहेगा विशेष ध्यानहिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में घोष ने कहा कि वे हरियाणा जाकर मुख्यमंत्री से मिलेंगे और यह जानने का प्रयास करेंगे कि राज्य के विकास में कैसे सहयोग किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विशेष फोकस राज्य में शिक्षा के क्षेत्र-विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा और जनजातियों एवं अन्य पिछड़े समुदायों के उत्थान पर रहेगा।



पश्चिम बंगाल को लेकर कही बड़ी बातहावड़ा निवासी असीम घोष ने पश्चिम बंगाल के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, ₹मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब बंगाल अपनी पुरानी गौरवशाली पहचान को पुनः प्राप्त करेगा। आज राज्य में अनेक समस्याएं हैं। एक दिन यह अंधकारमय समय जरूर समाप्त होगा। लड़कियां निडर होकर स्कूल और कॉलेज जा सकेंगी, माता-पिता को चिंता नहीं करनी पड़ेगी। जिस तरह बंगाल में एक समय उद्योग का स्वर्णिम युग था, उसे पुनः लाने के लिए शासक और विपक्ष दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा। यह सभी की जिम्मेदारी है।₹

पूर्व भाजपा अध्यक्षों की परंपरा को आगे बढ़ायाअसीम घोष से पहले भी पश्चिम बंगाल भाजपा के कई पूर्व अध्यक्ष राज्यपाल रह चुके हैं। विष्णुकांत शास्त्री वर्ष 1999 में हिमाचल प्रदेश और 2000 में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल बने थे। वहीं, तथागत रॉय 2015 में त्रिपुरा और 2018 में मेघालय के राज्यपाल बनाए गए थे। अब असीम घोष इस परंपरा की अगली कड़ी बने हैं।

हालांकि अभी तक उन्हें राज्यपाल पद की शपथ लेने संबंधी आधिकारिक पत्र नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने कहा कि जैसे ही राष्ट्रपति कार्यालय से औपचारिक पत्र प्राप्त होगा, वे हरियाणा के लिए रवाना हो जाएंगे। घोष ने स्पष्ट किया कि कार्य भले ही हरियाणा में होगा, लेकिन उनका मन हमेशा बंगाल से जुड़ा रहेगा।

# गुरुग्राम में बॉलीवुड सिंगर फाजिलपुरिया पर फायरिंग, पुलिस कर रही है मामले की जांच

एजेंसी (हि.स.)

गुरुग्राम

बॉलीवुड के पॉप सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर सोमवार देर शाम को अज्ञात लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। टाटा पंच गाड़ी में सवार बदमाशों ने राहुल पर फायरिंग की। हालांकि इस हमले में राहुल बाल-बाल बच गए हैं। फायरिंग के बाद अज्ञात बदमाश मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार वारदात बादशाहपुर इलाके में हुई है।

एसपीआर रोड पर टाटा पंच में सवार अज्ञात बदमाशों ने राहुल का पीछा शुरू कर गोलियां चलानी शुरू कर दी। राहुल को जैसे ही पता चला कि उस पर गोलियां चलाई जा रही है तो राहुल ने अपनी गाड़ी को तेजी से दौड़ा लिया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। राहुल फाजिलपुरिया पर हमला करने वाले लोग कौन थे और हमला क्यों किया गया, इसकी जांच पुलिस कर रही है। बता दें कि राहुल फाजिलपुरिया ने 2024 में गुरुग्राम लोकसभा सीट से जननायक जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ा था। वे चुनाव में हार गए थे। राहुल फाजिलपुरिया बिजनेस घराने से संबंध रखते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म कपूर संस के गाने लड़की ब्यूटीफुल से अपनी पहचान बनाई। गायकी के साथ वे राजनीति में भी आए।

# प्रवर्तन निदेशालय ने संजय भंडारी मामले में रॉबर्ट वाड्रा से की लंबी पूछताछ, कई सवालों के नहीं दिए जवाब

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से ब्रिटेन में स्थित भगोड़े हथियार बिचौलिए संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लंबी पूछताछ की है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा था। प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। ईडी ने उनसे हथियार डीलर संजय भंडारी मामले में लंबी पूछताछ की। कुछ देर हुई पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ईडी दफ्तर से रवाना हो गए, लेकिन दोपहर के लंच के बाद वे फिर से ईडी दफ्तर पहुंचे जहां उनसे लंबी पूछताछ की गई। इसके बाद वे अपने घर रवाना हो गए।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया हैं। 56 वर्षीय वाड्रा को जांच एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश दौरे के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध ईडी से किया था। जानकारी के मुताबिक रॉबर्ट वाड्रा ने ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी के साथ संबंधों पर पूछे गए सवालों को टाल दिया है।

## मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 की आर्थिक स्थिति, विकास संरचना और राजस्व स्रोतों की व्यापक समीक्षा की

# राज्य की आर्थिक यात्रा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत की परिकल्पना से प्रेरित : योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति, विकास संरचना और राजस्व स्त्रोतों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक यात्रा को सम्भावनाओं से परिणाम तक की प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह रूपांतरण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की परिकल्पना से प्रेरित है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव का प्रमाण बन चुकी है। बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जी0एस0डी0पी0) वर्ष 2024-25 में 29.6 लाख करोड़ रुपये के आँकड़ें तक पहुँचने का अनुमान है, जो वर्ष 2020-21 की तुलना में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। इसी अवधि में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रदेश की हिस्सेदारी 8.4 प्रतिशत से बढ़कर 8.9 प्रतिशत हो गई है। मुख्यमंत्री ने इसे आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में ठोस उपलब्धि बतायी, साथ ही यह भी कहा कि हमें वर्ष 2026 तक राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर अभी से ठोस रणनीति बनानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की आर्थिक संरचना में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई दे रहा है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों की हिस्सेदारी में निरंतर वृद्धि हो रही है, जबकि कृषि आधारित हिस्सेदारी क्रमिक रूप से कम हो रही है। उन्होंने मेक इन यूपी मॉडल को अगले दशक के लिए औद्योगिक रणनीति का आधार बताते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नई इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री को कृषि क्षेत्र की समीक्षा में अवगत कराया गया कि खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2024-25 में 722 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचने का अनुमान है, जो वर्ष 2020-21 की तुलना में 100 लाख मीट्रिक टन अधिक है। जिलावार उत्पादकता में अभी भी बड़ा अंतर मौजूद है। कुछ जिलों में गेहूं की उत्पादकता 46 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पहुँच गई है, वहीं कुछ में यह 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास है। मुख्यमंत्री ने इसे असंतुलन मानते हुए निर्देश दिए कि तकनीकी सहायता और किसान जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह अंतर कम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र में राज्य का दुग्ध उत्पादन देश में सर्वाधिक है। अण्डा उत्पादन में भी सुधार हुआ है। लेकिन केवल कुल उत्पादन पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रति पशु उत्पादकता में सुधार लाने की आवश्यकता है। उन्होंने नस्ल सुधार, फीड प्रबन्धन और डेयरी व्यवसाय से जुड़े डेटा का नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री को विनिर्माण क्षेत्र की समीक्षा में अवगत कराया गया कि राज्य में पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या वर्ष 2024-25 में 27 हजार से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरत है विनिर्माण को जनपदों में समान रूप से प्रसारित किया जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार और राज्य को राजस्व मिले। उन्होंने जिला उद्योग केंद्रों की क्षमता को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई ताकि उद्योगों से निरंतर संवाद हो सके और नई इकाइयों का पंजीयन और सहायता तंत्र बेहतर बने।

राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एस0टी0पी0आई0 के माध्यम से वर्ष 2024-25 में 46,800 करोड़ रुपये मूल्य की आई0टी0 सेवाओं का निर्यात हुआ, जो वर्ष 2021-22 की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री ने इसे युवाओं के लिए अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताया। इसी तरह पर्यटन, होटल और व्यापार जैसे सेवा क्षेत्रों में भी सकारात्मक संकेत देखे गए, विशेषकर कोविड के बाद पर्यटन क्षेत्र में आगंतुकों की संख्या में क्रमशः सुधार हुआ है।

# भूस्खलन से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे समेत 208 सड़कें बंद, भारी वर्षा का यलो अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भी मौसम बिगड़ा हुआ है और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक सोमवार सुबह तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे और 208 सड़कें भूस्खलन की वजह से बंद पड़ी हैं। 139 बिजली ट्रांसफार्मर और 745 पेयजल योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां एक नेशनल हाइवे व 157 सड़कें बंद हैं। वहीं47 बिजली ट्रांसफार्मर और 133 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं।

मंडी जिला में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे चार मील के पास आज सुबह फिर से मलबा गिरने से बंद हो गया है। इसी स्थान पर पहले भी लैंडस्लाइड हुआ था, जिसके बाद 28 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद हाईवे को बहाल किया गया था। लेकिन बीती रात फिर से पत्थर गिरने और मलबा आने के चलते सड़क पर यातायात ठप हो गया है। लगातार मलबा गिरने से सड़क खोलने में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं। कांगड़ा जिला में 612 पेयजल स्कीमें बंद हैं। मौसम विभाग के अनुसार सिरमौर के राजगढ़ में सर्वाधिक 72 मिमी, खदराला में 42 मिमी, पच्छाद में 36 मिमी और मंडी शहर में 26 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बारिश से गिरी जटोंन डैम का जलस्तर बढ़ने पर मैदानी इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, वहीं गिरि और यमुना नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। विभाग ने 20 जुलाई तक प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

मानसून सीजन के दौरान अब तक प्रदेश में बारिश जनित हादसों में 98 लोगों की जान जा चुकी है, 35 लोग लापता और 178 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 21 मौतें मंडी में, कांगड़ा में 14, कुल्लू में 10, चंबा में 9, हमीरपुर में 8 और बिलासपुर में 7 लोगों की मौत हुई है। इस अवधि में 1038 मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त, 188 दुकानें और 788 गौशालाएं तबाह हो गईं। अकेले मंडी जिले में ही 854 घर, 166 दुकानें और 638 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं से भारी तबाही हुई।

आपदाओं से कृषि और पशुपालन को भी नुकसान पहुंचा है। मानसून के दौरान 21,500 पोल्ट्री पक्षियों और 954 अन्य पशुओं की मौत हुई है। 20 जून से अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 18 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस दौरान प्रदेश को करीब 770 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है, जिसमें जल शक्ति विभाग को 409 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 345 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

# श्रावण मास के पहले सोमवार पर नाहन के शिव मंदिर रानीताल में उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

श्रावण मास का पहला सोमवार होने के चलते नाहन सहित पूरे सिरमौर जिले के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के से ही शिव भक्त भगवान शंकर के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिरों की ओर उमड़ने लगे।

सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन के ऐतिहासिक एकादश रुद्र शिव मंदिर रानीताल में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालु गंगाजल, दूध, दही, शहद व बेलपत्र आदि के साथ रुद्राभिषेक करते नजर आए। मंदिर के पुजारी पंडित काकू राम शर्मा ने बताया कि बारिश के बावजूद श्रद्धालु उत्साहपूर्वक सुबह से ही मंदिर पहुंच रहे हैं और श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के अवसर पर प्रतिदिन शिव महापुराण का आयोजन भी शाम को किया जा रहा है। इसी प्रकार, शहर के दूसरे प्रमुख प्राचीन पक्का टैंक शिव मंदिर में भी भक्तों का भारी सैलाब देखने को मिला। मंदिर के पुजारी पंडित बाबूराम ने बताया कि सुबह से ही लोग जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु बेल पत्र, धतूरा, आक आदि अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद ले रहे हैं।

श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रावण के प्रत्येक सोमवार को जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

गौरतलब है कि इस वर्ष श्रावण मास का शुभारंभ 14 जुलाई से हुआ है और यह 4 अगस्त तक चलेगा। इस अवधि में नाहन सहित समूचे सिरमौर जिले के शिवालयों में विशेष धार्मिक आयोजन हो रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था के साथ भाग ले रहे हैं।

# अवैध पेड़ काटने से पहले जवाबदेह कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए : शांता कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार ने एक भावुक बयान में सुप्रीम कोर्ट और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के उस निर्णय पर सवाल उठाया है जिसमें राज्य की वन भूमि पर अवैध रूप से लगाए गए सेब के बगीचों को काटने के आदेश दिए गए हैं।

शांता कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि हिमाचल के एक गांव में करीब 300 बीघा वन भूमि पर गैरकानूनी कब्जा कर 4000 सेब के पौधे लगाए गए थे। आज वहां लहलहाता बगीचा है और पेड़ों पर लाल-लाल सेब लगे हैं, लेकिन अब अदालती आदेशों के तहत इन्हें काटा जा रहा है।

शांता कुमार ने कहा कि यह देखकर उनका मन अत्यंत दुखी हुआ क्योंकि यह केवल एक गांव की नहीं, पूरे प्रदेश की कहानी है। राज्य भर में लाखों करोड़ों की वन भूमि पर इसी प्रकार के अवैध कब्जे वर्षों से हो रहे हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि यह कब्जा एक दिन में नहीं हुआ। 4000 पौधे लगने और फल आने में सालों लगते हैं। जब शुरूआत में ये गैरकानूनी बगीचा लगाया गया, तब सरकार और उसके कर्मचारी कहां थे ?₹ उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब भ्रष्टाचार की वजह से हुआ, जहां कुछ चांदी के सिक्कों ने ईमानदारी को खरीद लिया।

शांता कुमार ने अदालतों से निवेदन करते हुए पूछा कि जब पेड़ काटने का आदेश दिया गया, तो यह आदेश क्यों नहीं दिया गया कि उस समय के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो?

उन्होंने कहा कि देशभर में यह एक आम चलन बन गया है अवैध कब्जे, अवैध भवन निर्माण और फिर वर्षों बाद कोर्ट से गिराने के आदेश। लेकिन कभी उन शुरूआती भ्रष्ट कर्मचारियों को नहीं पकड़ा जाता जिन्होंने इन अपराधों की नींव रखी।

उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर हैरानी हुई कि देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्थाओं को भी इस मूल अपराध की गंभीरता का संज्ञान नहीं हुआ। उन्होंने न्यायपालिका से अपील की कि ऐसे मामलों में केवल परिणाम नहीं, बल्कि कारणों के मूल में जाकर कार्रवाई की जाए।

# आपदा राहत जरूरतमंदों तक पहुंचाने के प्रयास में जुटी है एनएसयूआई की टीमः अनित जसवाल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

एनएसयूआई जिला मंडी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनित जसवाल ने कहा कि मंडी जिला के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदा में एनएसयूआई की टीम आपदा प्रभावितों तक राशन पहुंचाने में जुटी है। मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि आपदा में राजनीति से हटकर इन्सानियत के नाते सभी दल राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा के लिए राहत सामग्री पहुंचाने वाली संस्थाएं उपमंडल मुख्यालयों तक राहत पहुंचा रहें। एनएसयूआई के वालंटियर नौजवान हैं इसलिए घर-घर तक राहत सामग्री पहुंचाने की जिम्मदारी निभा रहे हैं।

अनित जसवाल ने कहा कि आने वाले समय में एनएसयूआई जिला भर के कालेजों में कैंपस जोड़ों अभियान शुरू करने जा रही है। जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को एएसयूआई से जोड़ा जाएगा। इससे पूर्व एनएसयूआई की जिला कार्यकारीणी की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एनएसयूआई एक्टिव मोड में काम करते हुए विभिन्न गतिविधियों के साथ कक्षाएं लगाने और पढ़ाई का माहौल बनाने में भी योगदान देगी। एनएसयूआई अध्यक्ष ने कहा कि आपदा के समय हार्टिकल्चर महाविद्यालय थुनाग से छात्रों को सुरक्षित निकाल कर सुंदरनगर पहुंचाया गया है। अब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सुंदरनगर में ही कक्षाएं शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुंदरनगर में इसके लिए स्थाई रूप से कैंपस की तलाश कर कक्षाएं शुरू की जाए। जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो। छात्र संघ के चुनावों की बहाली को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने कहा कि इस बारे में शीघ्र ही एनएसयूआई का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलेगा और छात्रसंघ के चुनावों की बहाली को लेकर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में दो छात्र संगठनों द्वारा आए दिन आपसी झगड़े में होने वाले खूनखराबे की वजह से चुनावों पर रोक लगी है। इसके बावजूद छात्र राजनीति के लिए छात्रसंघ के चुनावों की बहाली अनिवार्य है।

## संक्षिप्त-समाचार

### रावण के पहले सोमवार को स्वर्ग की सीढ़ी पौड़ीवाला में लगी भक्तों की कतारें

**नाहन।** श्रावण मास के पहले सोमवार को त्रेता युग के अति प्राचीन शिव मंदिर पौड़ी वाला में शिवभक्तों का तांता लगा हुआ है। श्रद्धालु पंक्तिबद्ध होकर यहां स्थित शिवलिंग को दुग्ध मिश्रित जल, बिल्वपत्र,शहद इत्यादि पवित्र शिवलिंग को अर्पित कर स्वयं को धन्य मान रहे थे।मान्यता है कि इस मंदिर में विराजमान दिव्य एवं आलौकिक शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की हर मनोकामना पूर्ण होती हैं। त्रेता युग में लंकाधिपति रावण द्वारा अपनी अमरता के लिए प्रतिष्ठित शिवलिंगों में से यह दूसरा शिव दूसरा शिवलिंग है। इसलिए इसको स्वर्ग की दूसरी पौड़ी, पौड़ी वाला के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता हैकि इस शिव लिंग में साक्षात भोलेनाथ विराजते हैं। वैसे तो यहां वर्ष भर श्रद्धालु आते हैं लेकिन श्रावण मास में विशेष तौर पर लोग जलाभिषेक को आते हैं। यह मंदिर एनएच चंडीगढ़ पोंटा पर नाहन के समीप आम्बवाला पंचायत के पौड़ी वाला में है और गह्वर जंगल से होकर यहां जाया जाता है। वैसे अब यहां सड़क सुविधा भी हो गयी है जिससे लोगो को सुविधा मिली है।

### कांगड़ा में दो माह तक पैराग्लाइडिंग पर रोक

**धर्मशाला।** बरसात के मौसम में पर्यटकों की सुरक्षा के दृष्टिगत कांगड़ा जिला में कल मंगलवार से पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक गतिविधियों पर अगले दो माह तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। जिला में यह प्रतिबंध 15 जुलाई से 15 सितंबर तक लागू रहेगा। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने इस बाबत बताया कि इन आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए पुलिस प्रशासन, उपमंडलाधिकारियों जिला पर्यटन अधिकारी तथा पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन को भी कारगर कदम उठाने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी स्तर पर आदेशों की अवहेलना नहीं हो। बीते कल ही एक पैराग्लाइड्र के दुर्घटना ग्रस्त हो जाने से एक पर्यटन की मौत हुई है जबिक पायलट घायल हुआ है।

### पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना एचपीएनएलयू शिमला के विशिष्ट प्रोफेसर रहेंगे

**शिमला।** भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू) शिमला में विशिष्ट प्रोफेसर बनने के विश्वविद्यालय के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है, जो न केवल संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि कानून की शिक्षा और अनुसंधान में एक नया युग भी आरंभ करेगा। न्यायमूर्ति खन्ना का एचपीएनएलयू से पुराना और गहरा संबंध रहा है। वे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और विधिक शिक्षा एवं संस्थागत विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सर्वविदित है। विशिष्ट प्रोफेसर के रूप में उनकी उपस्थिति से विश्वविद्यालय का बौद्धिक परिवेश और भी समृद्ध होगा। यह आमंत्रण एचपीएनएलयू की कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) प्रीती सक्सेना द्वारा दिया गया था, जिसे न्यायमूर्ति खन्ना ने सहर्ष स्वीकार किया। कुलपति डॉ. सक्सेना ने इस अवसर पर कहा, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का विश्वविद्यालय से दोबारा जुड़ना हमारे लिए न केवल गर्व का विषय है, बल्कि यह हमारे संस्थान के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण भी है। उनकी विद्वता, अनुभव और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता हमारे शिक्षण और शोध कार्यों को दिशा देगी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश रहे और वे 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त हुए थे।

### जनता द्वारा नकारे गए लोग चला रहे ट्रांसफर व ठेकेदार माफिया : बिक्रम ठाकुर

धर्मशाला। पूर्व उद्योग मंत्री एवं जसवां प्रागपुर के विधायक बिक्रम ठाकुर ने कहा है कि क्षेत्र में माफिया संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस पार्टी ने एक ऐसे नेता को आगे कर रखा है जिसे जनता दो बार नकार चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब यह हारा हुआ नेता खुद को मुख्यमंत्री का साला बताकर राजनीतिक प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहा है, जो न केवल हास्यास्पद है, बल्कि क्षेत्र की जनता का अपमान भी है। सोमवार को जारी एक प्रेस बयान में बिक्रम ठाकुर ने कहा कि अब कांग्रेस में जनसेवा की जगह पारिवारिक रिश्ते राजनीति का आधार बन चुके हैं। चुनाव हारने के बाद भी यदि कोई केवल मुख्यमंत्री से संबंध दिखाकर ठेके और ट्रांसफर बांट रहा हो, तो यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और सत्ता की दलाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के संरक्षण में जसवां प्रागपुर में ट्रांसफर माफिया और ठेकेदार लॉबी को खुली छूट दी जा रही है। यहां अब योग्यता नहीं, नजदीकियों का बोलबाला है। पूर्व मंत्री ने कहा कि जब वे सरकार में थे, तब जसवां प्रागपुर जैसे पिछड़े क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया गया।

# भारत 2025 में आठवीं सबसे बड़ी वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्था बनेगा: रोहिन चंदन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2025 में दुनिया की शीर्ष पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में भारत के आठवें स्थान पर पहुँचने पर गर्व से जश्न मना रही है जिसने वैश्विक यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 231.6 बिलियन डॉलर का प्रभावशाली योगदान दिया है। भाजपा नेता रोहिन चंदन ने रेखांकित किया है यह उपलब्धि महामारी के बाद के दौर में भारत के मजबूत आर्थिक सुधार और एक वैश्विक पर्यटन महाशक्ति के रूप में इसके बढ़ते कद को रेखांकित करती है। देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परिदृश्य और दूरदर्शी सरकारी पहलों ने इसे एक दर्शनीय स्थल के रूप में स्थापित किया है जो दुनिया भर के यात्रियों को आकर्षित करता है।

चंदन बताते हैं कि विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ है और वैश्विक स्तर पर दसवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था से आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन गया है। अपनी सांस्कृतिक विरासत, विविध प्राकृतिक दृश्यों और सरकारी सहयोग से निरंतर विकास के साथ भारत के इस दशक के अंत तक चौथी सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है।

चंदन ने कहा कि देखो अपना देश अभियान जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर सरकार का ध्यान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारतीयों को अपने देश की सुंदरता और विविधता का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करके इस कार्यक्रम ने पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित किया है और भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा पर गर्व की भावना को बढ़ावा दिया है। हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर गोवा के धूप से सराबोर समुद्र तटों तक इस अभियान ने लाखों लोगों को अपनी मातृभूमि के अजूबों को फिर से खोजने के लिए प्रेरित किया है जिससे इस क्षेत्र के आर्थिक प्रभाव में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

रोहिन चंदन ने जोर देकर कहा भारत का आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना हमारे देश की विविधता और आतिथ्य को प्रदर्शित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'अतुल्य भारत' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों की सफलता भारत को एक वैश्विक पर्यटन केंद्र में बदलने में सामूहिक प्रयास की शक्ति को दशार्ती है। यह उपलब्धि केवल एक आर्थिक उपलब्धि नहीं है बल्कि हमारी साझा विरासत और लचीलेपन का उत्सव है।

### ऐसे युग में जब आधुनिकता की दौड़ में इस पसंस्कृत को पुनर्जीवित करने की यह प्रतिबद्धता वास्तव में एक सांस्कृतिक क्रांति की शुरूआत है: सत शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट ने जम्मू के सुभाष नगर एक्सटेंशन-1 को आधिकारिक रूप से विश्व का पहला 'संस्कृत मोहल्ला' घोषित किया है। इस ऐतिहासिक उद्घाटन का उद्घाटन जम्मू और कश्मीर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा और एसपी ग्रामीण बृजेश शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को संबोधित करते हुए सत शर्मा ने श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरे क्षेत्र में देववाणी संस्कृत के प्रचार-प्रसार और जन-जन में जागरूकता लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि संस्कृत न केवल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा है बल्कि विश्व की सबसे प्राचीन, सर्वाधिक वैज्ञानिक और समृद्ध भाषाओं में से एक है। वैदिक ज्ञान, उपनिषद, दर्शन, आयुर्वेद, योग, ज्योतिष और व्याकरण के अमूल्य ग्रंथ इसी भाषा में रचे गए हैं। ऐसे समय में जब आधुनिक युग में यह भाषा अप्रचलित होती जा रही है इसे पुनर्जीवित करने का संकल्प वास्तव में एक सांस्कृतिक क्रांति की शुरूआत है।

# राज्य में अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड को लेकर उपमुख्य सचेतक ने मुख्यमंत्री से उठाया मामला

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने राज्य में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन को लेकर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु के साथ चर्चा की तथा हिमाचल प्रदेश राज्य सैवानिवृत अर्ध सैनिक समन्वय समिति एवं कल्याण संघ की ओर से मांग पत्र भी सौंपा। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि भारतीय सेना, नौ सेना तथा वायु सेना के लिए सैनिक कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है जबकि सेवानिवृत अर्ध सैनिक बल के जवान भी इसी तरह के अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड के गठन की मांग उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के परिपेक्ष्य में सैनिकों तथा अर्ध सैनिकों की अहम भूमिका है तथा दोनों ही विंग अपने कर्तव्यों का ईमानदारी के साथ निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की बलिबेदी पर अपने बहुमूल्य जीवन का बलिदान देने में अर्ध सैनिक बलों की संख्या सैनिकों के बराबर है। राज्य में सेवारत तथा सेवानिवृत सैन्य कर्मचारियों की संख्या 15 लाख के करीब है जबकि अर्ध सैनिक बलों की संख्या 11 लाख के करीब है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल अधिनियम के तहत अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड के गठन को लेकर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु के साथ विस्तार से चर्चा की गई तथा मुख्यमंत्री ने भी इस मामले में उपयुक्त कदम उठाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि अर्ध सैनिक बलों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारतीय तिब्बत सीमा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, असम राइफल्स इत्यादि अर्ध सैनिक शामिल हैं।

# लद्दाख में जलवायु परिवर्तन पर दो-सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन विद्यालय संपन्न

एजेंसी (हि.स.)
कारगिल

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन पर दो-सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन विद्यालय आज लद्दाख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें शिक्षाविदों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों द्वारा महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि और कार्यान्वयन योग्य सुझाव साझा किए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन पीजीडीएवी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), पर्वतीय एवं पहाड़ी पर्यावरण पर अंतःविषय अध्ययन केंद्र (सीआईएसएचएमई), दिल्ली विश्वविद्यालय, पृथ्वी विज्ञान विभाग, पर्वतीय पर्यावरण संस्थान, भद्रवाह परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय और एचएसई विश्वविद्यालय (सेंट पीटर्सबर्ग, रूस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। ग्रीष्मकालीन विद्यालय में दस दिनों का गहन क्षेत्रीय कार्य और अंतःविषय शैक्षणिक आदान-प्रदान शामिल था जिसमें सभी चार संस्थानों के छात्र, शोधकर्ता और संकाय शामिल थे। प्रतिभागियों ने लेह और कारगिल के विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय समुदायों, सरकारी प्रतिनिधियों और पारिस्थितिक विशेषज्ञों के साथ गहन बातचीत की और संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों और ग्रामीण आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष प्रभाव का आकलन किया।जम्मू विश्वविद्यालय के भद्रवाह परिसर के रेक्टर प्रो. राहुल गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र में अंतर-समुदाय विश्लेषण जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण आजीविका और सामुदायिक लचीलेपन के बीच जटिल संबंधों की गहरी समझ प्रदान करता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारी ने वैश्विक जलवायु विमर्श में एक मूल्यवान परिप्रेक्ष्य जोड़ा है। जमीनी स्तर पर बातचीत और स्थल भ्रमणः प्रतिभागियों ने कई जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया जिनमें ऊपरी और निचला लिकर, अलची जलविद्युत परियोजना, सासपोल, हनु गोगमा, हनु योकमा और दा (लेह ज़िला) और सलमा, चंबा, हनु गोगमा (कारगिल ज़िला) शामिल हैं। उन्होंने जीडीसी कारगिल के संकाय और छात्रों, एलएएचडीसी के सदस्यों, इस्लामिया स्कूल ट्रस्ट और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की। पीजीडीएवी कॉलेज में पर्यावरण अध्ययन के सहायक प्रोफेसर और समर स्कूल के संयोजक डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा वैज्ञानिक आकलन को जमीनी स्तर के ज्ञान के साथ मिलाना नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में दीर्घकालिक जलवायु समाधान तैयार करने की कुंजी है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

# गन्नौर इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केट को लेकर नायब सैनी ने की समीक्षा बैठक

## निर्माण कार्यों में तेजी लाने और परियोजना को तय समयावधि में पूर्ण करने के दिए निर्देश

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को जिला सोनीपत के गन्नौर स्थित 'इंडिया इंटरनेशनल फ्रूट एंड वेजिटेबल मार्केट' (आई.आई.एच.एम.) का दौरा कर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने मंडी प्रशासन, निर्माण कंपनी व जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण कार्यों में तेजी लाने व परियोजना को तय समयावधि में पूर्ण करने के दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल हरियाणा के किसानों बल्कि देशभर के फल, सब्जी, फूल, मछली, पोल्ट्री व डेयरी उत्पादकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह मार्केट राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित है और इसकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से बेहतर कनेक्टिविटी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 220 करोड़ रुपये की लागत से 544 एकड़ 2 कनाल भूमि अधिग्रहण कर इस परियोजना की शुरूआत की गई थी, जिसकी कुल लागत 2,595 करोड़ रुपये आंकी गई है। अब तक निर्माण कार्य का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा पूरा किया जा चुका है और 689 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इस अंतरराष्ट्रीय मंडी में कुल 50 लाख वर्ग फीट का कवर एरिया होगा, जिसकी क्षमता 20 लाख टन प्रतिवर्ष होगी। इसमें 14,907 कारों तथा 3,305 ट्रकों/ट्रॉलियों की पार्किंग की सुविधा होगी। साथ ही 17 मार्केटिंग एवं ट्रेडिंग शेड और 13 अन्य आधुनिक इमारतें भी तैयार की जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि संचालन समिति कार्य में तेजी लाए और किसानों को जल्द से जल्द इस परियोजना से लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मंडी में सौर ऊर्जा को लेकर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि परियोजना के अंतिम चरण में 28 मेगावाट सोलर ऊर्जा की व्यवस्था की गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षमता को और अधिक बढ़ाया जाए ताकि मंडी ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने रेनीवेल (पेयजल आपूर्ति) कार्य को शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए ताकि मंडी में समय पर जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने व मंडी से निकलने वाले वेस्ट वाटर का ट्रीटमेंट कर दोबारा उपयोग किए जाने के भी निर्देश दिए।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस मंडी को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त एक आदर्श बागवानी केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है, जो किसान हित में कार्य करे और कृषि आधारित निर्यात को बढ़ावा दे। निर्माण कंपनी को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वे कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों सुनिश्चित करें। यह बागवानी मंडी न केवल आधुनिक विपणन प्रणाली का प्रतीक बनेगी, बल्कि किसानों की आय को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

इस मौके पर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, विधायक कृष्णा गहलावत, देवेंद्र कादियान, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री वीरेंद्र बढ़खालसा, नगर निगम मेयर श्री राजीव जैन, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, हरियाणा अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी कॉरपोरेशन के मुख्य प्रशासक श्री मुकुल कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# केंद्र सरकार की रोजगार लिंक्ड प्रोत्साहन योजना से युवाओं को मिलेगा बड़ा लाभ: राव नरबीर सिंह

**हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने किया योजना का स्वागत, श्रमिकों के लिए गुरुग्राम, आईएमटी सोहना और मानेसर में कैंटीन खोलने के दिए निर्देश**

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित रोजगार लिंक्ड प्रोत्साहन स्कीम का स्वागत करते हुए कहा कि यह योजना राज्य के एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों में रोजगार पाने वाले नए कर्मचारियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। राव नरबीर सिंह केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा राज्यों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग ले रहे थे। वे हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ से इस वर्चुअल बैठक में जुड़े।

उन्होंने बताया कि 1 जुलाई, 2025 को केंद्रीय कैबिनेट द्वारा इस योजना को मंजूरी दी गई है। योजना का उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना और पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रत्यक्ष लाभ देना है। इसके लिए प्रारंभिक चरण में 99,446 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और आने वाले दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना आगामी 1 अगस्त, 2025 से 31 जुलाई, 2027 तक प्रभावी रहेगी।

पहली बार रोजगार में आने वाले 15 हजार रुपये तक मासिक वेतन वाले कर्मचारियों को दो किस्तों में सरकार की ओर वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। बशर्ते कि कर्मचारी कम से कम छह महीने नियोक्ता के पास रोल पर रहे। इसी प्रकार नियोक्ता को दस हजार रुपये तक की सैलरी पर एक हजार रुपये मासिक, दस हजार रुपये से अधिक व बीस हजार रुपये तक दो हजार रुपये मासिक तथा बीस हजार रुपये से अधिक व एक लाख रुपये तक की सैलरी पर तीन हजार रुपये तक मासिक सहायता दी जाएगी।

मंत्री ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के नियोक्ताओं को भी सहयोग देना है, ताकि वे नए रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित हों। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए यह योजना तीसरे और चौथे वर्ष तक विस्तारित भी की जा सकती है।

राव नरबीर सिंह ने राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गुरुग्राम, आईएमटी सोहना व मानेसर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए खाने की सुविधाओं और कैंटीनों की स्थापना के लिए कार्यवाही करें। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय उद्योग संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की जाएं और उन्हें केंद्र सरकार की इस योजना की जानकारी दी जाए, ताकि वे अपने उद्योगों में इसका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर श्रम आयुक्त डॉ. मनीराम शर्मा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री डी. के. बेहरा तथा रोजगार, श्रम एवं उद्योग विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# हरियाणा विजन 2047 दस्तावेज के लिए नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए

संवाददाता
चंडीगढ़

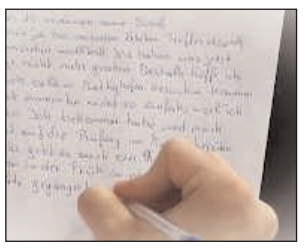

स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान द्वारा हरियाणा के दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखते हुए हरियाणा विजन 2047 दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। इस दस्तावेज के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आने वाले वर्षों में हरियाणा विकास और नवाचार के नए प्रतिमान स्थापित करे।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विजन दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया को अधिक सहभागी और व्यापक बनाने के लिए जन परामर्श सर्वेक्षण में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी हेतु राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा एक पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपने विचार, सुझाव और अपेक्षाएँ सीधे सांझा कर सकते हैं, जो इस महत्त्वपूर्ण दस्तावेज का हिस्सा बनेंगी।

प्रवक्ता ने बताया कि इस पोर्टल का लिंक एनआईसी द्वारा बीएएमएस, वित्त विभाग, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, सभी उपायुक्तों और हरियाणा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की वेबसाइट पर सांझा किया जाएगा। अतः सभी नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि अपने मूल्यवान सुझाव इस जन परामर्श सर्वेक्षण में शामिल करने की कृपा करें।

# सरकार की लापरवाही ने घग्गर नदी को मौत का दरिया बना दिया: कुमारी सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सरकार की लापरवाही के चलते घग्घर नदी मौत का दरिया बनती जा रही है, इसके किनारे बसे गांवों में पानी प्रदूषित हो रहा है, 13 गांवों में तो पानी पीने योग्य ही नहीं रहा। इस नदी में 46 कारखानों का वेस्टेज डाला जा रहा है फिर भी सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। मजबूरी में किसान खेतों में जहर सींचने को मजबूर हैं, बच्चे बीमार हो रहे हैं। कैंसर रोग तेजी से पैर पसार रहा है जबकि इस क्षेत्र में कैंसर की जांच और उपचार की कोई व्यवस्था तक नहीं है, रोगियों को दूसरे जिले या दूसरे राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि घग्घर नदी के बढ़ते प्रदूषण के कारण हरियाणा का दक्षिण-पश्चिमी हिस्सा आज कैंसर बेल्ट के नाम से बदनाम हो चुका है। यह केवल एक पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि एक मानवीय त्रासदी है और इसके लिए जिम्मेदार है हरियाणा की लापरवाह भाजपा सरकार। सांसद ने कहा कि सिरमौर हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाडियों से निकलने वाली यह घग्घर नदी पंजाब से होती हुई हरियाणा में प्रवेश करती है जो राजस्थान होती हुई पाकिस्तान में जाकर समाप्त हो जाती है, इस नदी की कुल लंबाई 320 किमी है। पंजाब और हरियाणा में यह नदी सबसे ज्यादा प्रदूषित हो रही है, फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है जो पानी के साथ बहता हुआ घग्घर नदी में मिलता है इसके साथ ही पंजाब और हरियाणा में सैकडों कारखाने घग्घर नदी के किनारे लगे हुए है जिनका वेस्टेज यहां तक कि विषाक्त पदार्थ तक नदी में डाले जा रहे है, एसटीपी के बिना नगरों का सीवरेज सीधा नदी में डाला जा रहा है। सैलजा ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार को इस बारे में पता ही न हो क्योंकि आए दिन प्रभावित लोग हर मंच पर आवाज उठाते रहते है, वे स्वयं इस गंभीर विषय को लोकसभा में कई बार उठा चुकी है लेकिन 11 वर्षों से सत्ता में बैठी भाजपा सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। घोषणाएं और विज्ञापन तो बहुत हुए, लेकिन न नदियों की सफाई हुई, न ही प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों पर कोई सख्त कार्रवाई। सांसद ने कहा कि नदी के प्रदूषित होने की आंकड़े स्वयं गवाही दे रहे है, नदी के पानी में टीडीएस का स्तर 1068 एमजी प्रति लीटर तक पहुंच चुका है, जो पीने और खेती दोनों के लिए खतरनाक है। सिरसा, फतेहाबाद, हनुमानगढ़ जैसे जिलों में कैंसर, त्वचा रोग, और बच्चों की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। 46 से अधिक फैक्ट्रियां जहरीला पानी सीधे नदी में बहा रही हैं, और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मूकदर्शक बना हुआ है। 2025 में ही हरियाणा में कैंसर के 1,678 नए मामले दर्ज किए गए। ऐसी ही स्थिति घग्घर नदी से निकलने वाली नहरों की है। सिरसा जिला इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित है। सैलजा ने कहा कि सरकार इस बात का पता लगाए कि किसकी शह पर प्रदूषक उद्योग नियमों को ताक पर रखकर जहरीला कचरा बहा रहे हैं? हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अब तक कितने दोषी उद्योगों पर कार्रवाई की? क्या यह सरकार केवल घोषणाएँ करने और पर्यावरण दिवस मनाने के लिए चुनी गई है? सांसद ने सरकार से मांग की है कि घग्गर नदी की त्वरित सफाई हेतु विशेष पैकेज घोषित किया जाए, प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई हो, प्रभावित क्षेत्रों में कैंसर अस्पताल, पीने के पानी की व्यवस्था, और स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं।

## संक्षिप्त-समाचार

### सुगनी देवी स्कूल में स्टेम डीएलडी कार्यशाला का किया आयोजन

**लाडवा।** सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई सी.ओ.ई. पंचकूला के सहयोग से स्टेम डीएलडी का आयोजन किया गयाे इस कार्यशाला का उद्देश्य स्टेम साक्षरता को बढ़ावा देना , वैज्ञानिक दक्षता में सुधार और 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों का विकास करना रहाे कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ मोहित दुआ असिस्टेंट प्रोफेसर एनआईटी कुरुक्षेत्र ने शिक्षकों को संबोधित किया कार्यक्रम में शिक्षकों को विज्ञान , सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर जैसे विषयों को इंटीग्रेटेड अप्रोच से पढ़ाने के तरीके पर मार्गदर्शन दिया गयाे विशेषज्ञ ने सरल भाषा में विषयों के आपसी संबंधों को स्पष्ट करते हुए शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने की विधियां सांझा कीं इसी के साथ उन्होंने शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ड्रोन की भी जानकारी प्रदान कीं अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने रिसोर्स पर्सन मोहित दुआ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा प्रयास हमेशा रहा है कि हमारे विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा और आधुनिक कौशल प्राप्त हों यह कार्यशाला हमारी स्टेम शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है मौके पर सभी अध्यापक मौजूद रहे।

### सत्संग सुनने से मनुष्य के कई जन्मों के पाप हो जाते हैं खत्म : सुदेश कटारिया

**लाडवा।** मुस्तफाबाद रोड स्थित श्री गुरु रविदास आश्रम में मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। गुरु रविदास जी की आरती से सत्संग का शुभारंभ किया गया। सत्संग में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। महात्मा गुरपाल दास ने मुख्य अतिथि का फूल मालाओं से स्वागत किया। सुदेश कटारिया ने कहा कि हमें गुरु रविदास जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। सत्संग सुनने से मनुष्य के कई जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं और मनुष्य भव से पार हो जाता है। गुरु रविदास जी ने हमें भक्ति का मार्ग दिखाया हमें उसे पर चलकर अपना जीवन सफल बनाना चाहिए। इस मौके पर एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। सत्संग में आए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर व शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजीव कुमार, अजेब सिंह, बिन्दर भूरा , ईमना कटारिया,रूपा देवी , किरना देवी, कृष्णा देवी ,रेखा रानी ,मनीषा रानी, मनजीत रानी सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं में भाग लिया।

### सरकार ने लगाए भविष्य विभाग के लिंक अधिकारी

चडीगढ। हरियाणा सरकार ने भविष्य विभाग के महानिदेशक / निदेशक की अनुपस्थिति में विभाग के कामकाज का सुचारू सचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिंक अधिकारी लगाए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार विदेश सहयोग विभाग के महानिदेशक / निदेशक को लिंक अधिकारी-1 तथा नागरिक उड्डयन सलाहकार को लिंक अधिकारी-2 नियुक्त किया गया है।

# पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय का ज्वलंत मुद्दा एवं चिंतनीय विषय

संवाददाता
चंडीगढ़

- पौधारोपण समस्या के समाधान का एकमात्र जरिया
- एक पेड़ मां के नाम तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ धरा और समाज दोनों की जरूरतः बेदी

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि धरा के संरक्षण के लिए पेड़ वरदान है। इसी प्रकार संतुलित एवं सभ्य समाज के निर्माण के लिए बेटियों का बराबर सम्मान होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इन महत्वपूर्ण विषयों के प्रति पूर्णतया गंभीर है और उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत कर देश वासियों से पौधारोपण में सहभागिता की अपील की। इसी तरह बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केंद्र सरकार की दूसरी बड़ी योजना है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2015 में हरियाणा के पानीपत से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने थी। इन दोनों अभियानों के प्रति जन-जन में चेतना आने वाले समय में संतुलित समाज एवं शुद्ध पर्यावरण की पौषक साबित होंगी। श्री बेदी आज जींद जिले के गांव ढाबी टेक सिंह में पौधारोपण अभियान के तहत पौधारोपण करने उपरांत लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने गांव के विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ 50 लाख रुपए अनुदान देने की भी घोषणा की।

श्री बेदी ने कहा कि महिला सम्मान के लिए सरकार द्वारा निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इन कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिलाओं में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच का होना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा रखी गई सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया और कहा कि विभागीय औपचारिकताएं एवं तकनीकी नॉर्म्स पूरा होने पर सभी कार्यों का निर्माण करवा दिया जाएगा।

श्री बेदी ने नरवाना बस स्टैंड के नजदीक निजी संस्था द्वारा संचालित एक जिम का रिबन काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। आज के भौतिकवादी युग में जहां मानव जीवन में लगातार बीमारियां बढ़ रही हैं, ऐसे में इस तरह के जिम एवं शारीरिक कसरत ही युवाओं और नागरिकों को सशक्त एवं स्वस्थ बनाने में मददगार हो रहे हैं। सरकार का प्रयास रहा है कि प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। यह पहल न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अहम कदम है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और अनुशासन का संदेश भी देती है।

# नवनियुक्त पार्षद सन्नी कालड़ा ने लिया बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी का आशीर्वाद

अनिल गोयल
लाडवा

हरियाणा सरकार द्वारा नवनियुक्त नगर पालिका लाडवा पार्षद सन्नी कालड़ा ने हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी को चंडीगढ़ स्थित उनके निवास स्थान पर जाकर बुके देकर उनका आशीर्वाद लिया। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि हरियाणा की भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की नीति से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं हैं उन्हें पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि आप नगर पालिका लाडवा के पार्षद नियुक्त हुए हैं। इसलिए आपका कर्तव्य बनता है कि आप पूरे शहर का समुचित विकास करवाएं और शहर को साफ सुथरा रखने में अपना पूरा योगदान दें। उन्होंने यह भी कहा कि आपके शहर के सभी वार्डों के लोगों की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि आपको नगर पालिका प्रधान, अधिकारियों व कर्मचारियों से भी तालमेल बना कर रखना है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार से संबंधित कोई जरूरत पड़े तो वह आकर उन्हें बताना है ताकि सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

# हीमोफीलिया रोगियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से आज हीमोफीलिया रोगियों एवं सामाजिक कार्यकताओं का एक प्रतिनिधिमंडल उनके निवास स्थान पर मिला। इस प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में फैक्टर-8 और फैक्टर-9 की लगातार कमी को लेकर मुख्यमंत्री को अवगत कराया तथा जीवन रक्षक इन दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को इस वर्ष के बजट (2025-26) में हीमोफीलिया एवं थैलेसीमिया रोगियों के लिए घोषित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को शीघ्र लागू करने का भी निवेदन किया, ताकि रोगियों को आर्थिक सहारा मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल में कैथल से राकेश यादव, यमुनानगर से विष्णु गोयल, रोहतक से अजय शर्मा, फतेहाबाद (भुना) से जोगिंदर सेठी, तथा कुरुक्षेत्र से सुखबीर समेत अनेक लोग शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने इस विषय पर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देने की बात भी कही।

## सभी विभागों में कर्मचारी शिकायत निवारण समिति गठित करने के निर्देश

# हरियाणा में कर्मचारियों की शिकायतों का होगा जल्द समाधान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों से जुड़े विवादों या शिकायतों के निपटान को गम्भीरता से लेते हुए, हर विभाग या संगठन में ह्यकर्मचारी शिकायत निवारण समितिह्न गठित करने के निर्देश दिए हैं। अब कर्मचारियों को अदालत में जाने से पहले विभागीय शिकायत निवारण समिति के माध्यम से समाधान करवाना अनिवार्य होगा। हर शिकायत का निपटारा अधिकतम आठ सप्ताह में करना आवश्यक होगा।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों व निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को जारी आदेशों में कहा गया है कि सभी विभाग व संगठन 15 दिनों के भीतर समिति के गठन की पुष्टि करते हुए अपनी रिपोर्ट प्रशासनिक न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजें। ये निर्देश प्रशासनिक न्याय विभाग द्वारा जारी हरियाणा स्टेट लिटिगेशन पॉलिसी, 2025 के प्रावधानों के अनुरूप जारी किए गए हैं।

लिटिगेशन पॉलिसी के अनुसार, निर्णय प्रक्रिया में मनमानी और कर्मचारियों की शिकायतों या प्रतिवेदनों की अनदेखी सरकारी मुकदमों की बड़ी वजह बनती है। सेवा संबंधी मामलों में, अधिकतर मामले नियमों, निदेर्शों और नीति निर्णयों के अनुसार राहत न मिलने से जुड़े होते हैं। अन्य मामलों में एक से अधिक नीतियां हो सकती हैं। न्यायालयों में आने वाले ऐसे अधिकतर मामलों में, अदालतें एक निश्चित समय-सीमा के भीतर स्पीकिंग ऑर्डर पारित करने के निर्देश देती हैं। मामला अदालत तक पहुंचने से पहले, सामान्य प्रशासनिक चैनल के माध्यम से अपनी शिकायतों को दूर करवाने के लिए आमतौर पर प्रभावित पक्ष काफी प्रयास करता है और इसमें काफी समय भी लग जाता है। इसके मद्देनजर सभी विभागों को प्रभावी शिकायत निवारण समितियाँ गठित करनी होंगी, जिससे काफी संख्या में अनावश्यक मुकदमेबाजी को रोका जा सकेगा।

इस शिकायत निवारण प्रणाली की संरचना द्विस्तरीय होगी। पहली श्रेणी में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में मुख्यालय स्तर पर समिति गठित की जाएगी। इसमें दो क्लास-ए अधिकारी होंगे, जिनमें से एक एसएएस काडर का और दूसरा मुख्यालय पर तैनात विधि अधिकारी होगा। दूसरी श्रेणी जिला स्तर पर होगी, जिसकी अध्यक्षता संबंधित उपायुक्त या सेवानिवृत्त जिला/अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश करेंगे। इस समिति में उपायुक्त द्वारा मनोनीत जिला स्तर पर मुख्य लेखाधिकारी, वरिष्ठ लेखाधिकारी या लेखाधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट अटार्नी, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटार्नी या असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटार्नी भी शामिल होंगे।

लिटिगेशन पॉलिसी में स्पष्ट किया गया है कि सम्बन्धित विभागाध्यक्ष तथा उपायुक्त द्वारा इन समितियों का गठन पॉलिसी जारी होने के 14 दिनों के भीतर अधिसूचित किया जाना अनिवार्य है। मुख्यालय स्तर पर संबंधित अतिरिक्त निदेशक या संयुक्त निदेशक तथा जिला स्तर पर सम्बन्धित विभाग के जिला प्रमुख इस समिति की सहायता करेंगे।

इस समिति को शिकायत या प्रतिवेदन प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर सुनवाई की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। समिति कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत होकर अपना पक्ष रखने का अवसर देगी। मौखिक और लिखित प्रतिवेदनों के आधार पर 30 दिनों के भीतर अपनी अनुशंसा संबंधित उच्च अधिकारी को भेजेगी। उच्च अधिकारियों को अनुशंसा प्राप्त होने के एक माह के भीतर इस पर अंतिम निर्णय लेना होगा।

विभाग स्तरीय शिकायत निवारण प्रकोष्ठ या समिति की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष करेंगे। यह समिति मासिक बैठक कर मुख्यालय और क्षेत्रीय स्तर पर विभाग में मौजूद शिकायत निवारण प्रणाली की प्रभावशीलता की समीक्षा करेगी। यदि निदेर्शों या नियमों में सामान्य प्रशासन या वित्त विभाग के स्तर पर बदलाव की आवश्यकता है तो मामले को इस पॉलिसी के तहत गठित राज्य स्तरीय अधिकार-प्राप्त समिति को भेजेगी। चूंकि अनुशासनात्मक कार्रवाई, वरिष्ठता और एसीपी से जुड़े मामलों में मुद्दमेबाजी ज्यादा होती है, इसलिए इनका शीघ्र निपटान किया जाना अनिवार्य है। साथ ही, वरिष्ठता सूची को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नियमित रूप से अपडेट और मुद्रित या प्रकाशित किया जाना चाहिए।

प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, हर विभाग को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के परामर्श से एक समर्पित सॉफ्टवेयर प्लेटफार्म विकसित करना होगा। इसके माध्यम से कर्मचारी अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे, अपनी शिकायत की स्थिति का पता लगा सकेंगे और निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्राप्त कर सकेंगे। इससे शिकायतों के निपटान में न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

संपादकीय

# भारत के वन न सिर्फ हरियाली, बल्कि आर्थिक और जलवायु भविष्य की नींव भी!

भारत में वन सिर्फ हरियाली की पहचान नहीं हैं, बल्कि वे देश की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और जलवायु स्थिरता के मूल स्तंभ भी हैं। ये जंगल न केवल जैवविविधता को संजोए हुए हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका, पर्यावरणीय संतुलन और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वन विविध पारिस्थितिक तंत्रों को समर्थन देकर भारत के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण हैं। वनों का संरक्षण विभिन्न प्रजातियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करता है तथा महत्त्वपूर्ण आवासों को संरक्षित करता है। भारत के वनों में लगभग 80% स्थलीय जैवविविधता पाई जाती है, जिसमें बंगाल टाइगर और एशियाई शेर जैसी लुप्तप्राय प्रजातियाँ भी शामिल हैं। भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023 के अनुसार, भारत का वन एवं वृक्ष आवरण देश के भौगोलिक क्षेत्र का 25.17% है, जो उनके पारिस्थितिक महत्त्व को दशार्ता है। यदि जैवविविधता के नुकसान का प्रबंधन नहीं किया गया, तो अस्तित्व के लिये आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन के नष्टहोने का खतरा है। यह सच है कि भारत के वनों का सीधा संबंध कई वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों से है। एस डी जी 15 (स्थलीय जीवन का संरक्षण) वनों की रक्षा और जैवविविधता को बढ़ावा देने पर जोर देता है। एस डी जी 13 (जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई) के तहत, वन कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सहायक होते हैं। वहीं, एस डी जी 8 (अवसरयुक्त आर्थिक विकास) के तहत वन आधारित उद्योग, हस्तशिल्प और गैर-लकड़ी उत्पादों से जुड़ी गतिविधियाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देती हैं।

वन भारत में 25 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आजीविका प्रदान करते हैं। विशेष रूप से आदिवासी और वनों पर निर्भर समुदायों की संस्कृति, आहार, चिकित्सा और जीवनशैली वनों से गहराई से जुड़ी हुई है। लाखों ग्रामीणों के लिए गैर-काष्ठ वन उत्पाद जैसे महुआ, तेंदू पत्ता, साल बीज, शहद आदि आय का मुख्य स्रोत हैं। वन प्राकृतिक पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। ये वर्षा चक्र को नियंत्रित करते हैं, नदियों को पोषण देते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और जलस्रोतों को पुनर्भरण करते हैं। साथ ही, ये जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक मजबूत रक्षा कवच भी प्रदान करते हैं। भारत के कुल ग्रीन कवर में 24.62% हिस्सा वनों का है, जिसे बढ़ाकर 33% तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हालांकि वन संरक्षण के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन अवैध कटाई, शहरीकरण, खनन और औद्योगिकीकरण जैसे कारण वनों के अस्तित्व पर खतरा बन रहे हैं। ऐसे में, केवल वन क्षेत्र बढ़ाना ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ टिकाऊ और समावेशी रणनीति अपनाना भी आवश्यक है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 जैसी नीतियाँ स्थानीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा करते हुए संरक्षण में भी मदद कर सकती हैं। भारत के जंगल केवल प्रकृति की शोभा नहीं हैं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक विकास की नींव हैं। यदि भारत को जलवायु संकट से निपटना है और सतत विकास लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करना है, तो वनों के संरक्षण और उनके टिकाऊ उपयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी ही होगी।

## बिहार चुनाव में होगी मध्य प्रदेश के निषादराज सम्मेलन की गूंज

हर्षवर्धन पाण्डेय (हि.स.)

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 जुलाई को आयोजित निषादराज सम्मेलन न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि इसके गहरे सियासी मायने भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआरा समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा, जिन्हें प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है।

निषादराज ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है। इस तरह के बड़े सम्मेलन का आयोजन देश के हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में करके प्रदेश सरकार निषाद समुदाय को यह संदेश दे रही है कि वह विरासत से विकास के अपने विजन पर मजबूती के साथ काम कर रही है।

मध्य प्रदेश में मछुआरा समुदाय की आबादी विशेष रूप से उज्जैन, नरसिंहपुर और होशंगाबाद में उल्लेखनीय है। यह समुदाय परंपरागत रूप से मत्स्य पालन और नदी-आधारित आजीविका पर निर्भर है। हालांकि यह समुदाय ओबीसी समुदायों जितना प्रभावशाली नहीं है फिर भी यह कई विधानसभा क्षेत्रों में जातिगत समीकरणों को प्रभावित करता दिखाई देता है। निषादराज सम्मेलन के आसरे भाजपा इस समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति को बेहतर करने की दिशा में अपने कदम मजबूती एक साथ प्रदेश की सियासत में बढ़ा रही है।

मध्य प्रदेश आज मत्स्य उत्पादन और मछुआ समाज के सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना जैसे नवाचारों ने हजारों मछुआरों के जीवन में नई आशा की किरण जगाई है। ड्रोन और जीपीएस प्रणाली जैसे नवाचार और योजनाएं मध्य प्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सधे हुए कदम हैं।

मुख्यमंत्री ने 22 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन किया और कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा और सरकार मस्त्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा सागर सहित अन्य जलाशयों में 3 लाख से अधिक केज स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है।वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा।

मध्य प्रदेश की सियासत में जातिगत समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वोटरों ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया था जिसके चलते कांग्रेस सत्ता में आई। हालांकि 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में हुए दलबदल के बाद भाजपा ने फिर से सत्ता हासिल की। वहीं 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पार्टी 2028 के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के लिए अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है। निषाद समुदाय को साधने का प्रयास इसी रणनीति का हिस्सा है। यह समुदाय एक दौर में परंपरागत रूप से कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ जुड़ा रहा है अब बिहार ,बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के चुनावों में भाजपा के लिए संजीवनी बन सकता है।

निषादराज सम्मेलन से एक तीर से दो निशाने खेलने की कोशिश की गई है। पहला सम्मेलन केवल निषाद समुदाय तक सीमित नहीं है। इसका सन्देश अन्य समुदायों में भी जाएगा जिनकी संख्या प्रदेश में कम है। दूसरा यह सम्मेलन मोदी सरकार की सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक नई लकीर खींचेगा जिसकी गूंज आने वाले बिहार चुनाव में सुनाई देगी। बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से लगभग 45 पर निषाद और मांझी जातियों का प्रभाव माना जाता है।

निषादराज सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री यादव का एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक है जो निषाद समुदाय के सशक्तिकरण के साथ-साथ बिहार में भाजपा के निषाद और मांझी वोटबैंक को मजबूत करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा आने वाले दिनों में बनेगा। बिहार में भी मछुआरा समुदाय की आबादी भी आगामी चुनावों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राज्य के 38 जिलों में मछुआ समुदाय विभिन्न क्षेत्रों में अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर है। मध्य प्रदेश में निषादराज सम्मेलन के सफल आयोजन की गूंज अब बिहार के गांवों और पंचायतों तक पहुंचना तय है। बिहार अब इस मध्य प्रदेश मॉडल को अपनाकर भविष्य में अपने मछुआरा समुदाय को सशक्त बना सकता है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

## उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में चलना चाहिए 'ऑपरेशन कालनेमि'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति पर कई तरह से प्रहार किए जा रहे है, इसके उदाहरण भी आए दिन सामने आते हैं, किंतु जिस तरह से लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसे किसी भी नकारात्मक जिहाद के विरोध में उत्तराखंड सरकार द्वारा एक्शन लेने के बाद 'ऑपरेशन कालनेमि' शुरू किया गया है। इसने कुछ ही दिन में यह सच्चाई सभी के सामने ला दी है कि सनातन हिन्दू धर्म को बदनाम करने के लिए जो अनेक षड्यंत्र चल रहे हैं, उनमें से एक साधूवेष धारण करना भी है। एक आस्थावन सनातनी साधु वेष को देखकर अपनी क्या प्रतिक्रिया देगा, यह किसी को आज बताने की जरूरत नहीं, किंतु बदले में उसे क्या मिलेगा, यह अहम है। ऐसे में ये तमाम छद्म वेषधारी हिन्दू आस्था पर सीधे प्रहार कर रहे हैं।

वस्तुतः भारतीय शास्त्रों में देखें तो 'कालनेमि' रामायण काल का एक राक्षस था, जिसने छद्मवेश धारण कर 'संजीवनी' लेने जा रहे हनुमानजी का रास्ता रोकने की कोशिश की थी। रामायण की सुप्रसिद्ध मायावी राक्षसनी ताड़का उसकी दादी थी व मारीच उसके पिता। 'कालनेमि' अपनी माया से किसी का भी रूप धारण कर सकता था इसलिए रावण ने उसे यह महत्वपूर्ण कार्य सौंपा कि वह किसी भी हाल में हनुमानजी को 'संजीवनी' हिमालय ने न लाने दे, ताकि लक्ष्मणजी की बेहोशी मृत्यु में बदली जा सके। लेकिन जैसे ही हनुमानजी को 'कालनेमि' के एक साधु वेश में होने का पता चला, उन्होंने अत्यंत क्रोधित हो उसी समय 'कालनेमि' का वध कर दिया था।

वर्तमान दौर में भी कई 'कालनेमि' सनातन हिन्दू धर्म को तरह-तरह से समाप्त करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। अब हरिद्वार से पकड़े गए इन सभी इस्लामिक कालनेमियों को देखिए, जो हिन्दू साधू के वेश में सनातनधर्मियों को ठग रहे थे। मो. अहमद पुत्र रहु निवासी ग्राम बोडिंग हाउस जिला हरदोई उत्तर प्रदेश। रशीद पुत्र बपाती निवासी वार्ड नंबर 7 फूलबाग थाना नरसिंह गढ़ जिला राजगढ़। मोहम्मद इमरान पुत्र मो. इस्लाम निवासी 11 बी तिलजला थाना कड़ाया कोलकता पश्चिम बंगाल। मोहम्मद जैनउद्दीन पुत्र शेख अब्बास निवासी बेलवारी वार्ड न0 13 अंचल पलासी पखरी बिहार। मोहम्मद सलीम (पिरान कलियर, हरिद्वार)। रुकन राकम उर्फ शाह आलम- बांग्लादेशी नागरिक, जिसने तिलक और जटा धारण कर रखे थे; वह खुद को 'शिव योगी' बता रहा था। इसी तरह से अन्य अपराधी और ठग पकड़े गए हैं, जोकि हिन्दू सनातन धर्म को साधू वेश धारण कर बदनाम कर रहे थे।

इस संदर्भ में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कह रहे हैं कि वर्तमान समय में भी बहुत सारे 'कालनेमि' छद्म वेष बनाकर अनेक स्थानों पर अपनी पहचान छुपाकर के धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम कर रहे हैं। उनका यह कृत्य सनातन को नुकसान पहुंचाता है और जो सच्चे धर्म की खोज में, पुण्य की खोज में और अपनी आत्मा के प्रकाश को प्राप्त करने के लिए भगवान की शरण में जाते हैं। देवभूमि या अन्य स्थानों पर जाते हैं। उनका किसी न किसी रूप में मार्ग भटकाने का काम ये छद्म वेषधारी ठग करते हैं। ऐसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें रोकने और उनकी सच्चाई उजागर करने के लिए ही हमने ये ऑपरेशन 'कालनेमि' चलाया है। हमारी सरकार जनभावनाओं, सनातन संस्कृति की गरिमा की रक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाये रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हाल ही में एक प्रकरण उत्तर प्रदेश की एटीएस के प्रयासों से भी छांगुर बाबा उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन का सामने आया है। उसके पास से एक किताब 'शिजर-ए-तैयबा' नाम की बरामद हुई है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इस किताब का इस्तेमाल लव जिहाद और इस्लामिक कन्वर्जन के लिए किया जा रहा था। पुस्तक का मकसद कोई धार्मिक प्रचार नहीं, बल्कि विशेष एजेंडे के तहत ब्रेनवॉश करना था। पुस्तक में मुस्लिम युवकों और हिंदू युवतियों को इस्लाम के नाम पर जोड़ने और प्रेरित करने की बातें की गई हैं। यहां तक कि किताब में 'धर्मी लोगों की सेना' तक का जिक्र किया गया है, यानी ऐसे लोग जो इस्लाम के लिए अपनी जान देने को तैयार हों।

साथ ही इसमें विस्तार से बताया गया है कि लोगों को इस्लाम के प्रति कैसे आकर्षित किया जाए और किस तरह धर्मांतरण की मुहिम चलाई जाए। यह किताब सोशल नेटवर्किंग और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवाओं तक पहुंचाई जाती थी, जिससे वे धीरे-धीरे कट्टरपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते जाएं। 'शिजर-ए-तैयबा' की तरह ही आज यह सामने आया है कि देश भर में अनेक नामों से इसी प्रकार की किताबें चलन में हैं, जोकि ब्रेनवॉश का काम करती हैं।, दीने-तालीम के नाम पर मदरसों में क्या पढ़ाया जा रहा है, किसी भी राज्य सरकार को इसके बारे में पता नहीं है।

आप सोचिए; एक छांगुर बाबा उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन ने क्या कर दिया! उसने हजारों गैर मुसलमानों का ब्रेनवॉश, 1500 से अधिक हिन्दू महिलाओं के साथ लव जिहाद कर इस्लाम कबूल करवाना। हर हिन्दू युवतियों को लव जिहाद में फंसाने के लिए 10 से 20 लाख रुपए तक मुस्लिम युवक को देने की व्यवस्था, कई सौ करोड़ का साम्राज्य, दो हजार से अधिक स्लीपर सेल की टीम खड़ी करना, वह भी किसलिए सिर्फ इस्लाम के लिए। भारत को गजबा-ए-हिंद बनाने के लिए। आप यह भी विचार कर सकते हैं कि यह कोई अचानक नहीं हो गया है, पिछले कई सालों से यह सब चल रहा है। छांगुर, मोहम्मद जलालुद्दीन पिछले 15 वर्षों से अवैध धर्मांतरण गिरोह चला रहा था। सोचनेवाली बात यह है कि इसका पूरा यह षड्यंत्र कितना गोपनीय रहा होगा कि पुलिस का खुफिया तंत्र एवं देश की सुरक्षा एजेंसी भी इतने सालों तक उसकी भनक नहीं लगा सकीं।

गजबा-ए-हिंद की गंदी सोच सिर्फ इस बाबा छांगुर उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन की नहीं है, हाल ही में एनआईए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आईएसआईएस पुणे स्लीपर मॉड्यूल में 11 लोग गिरफ्तार किए हैं, जिसमें कि रिजवान अली (अबु सलमा / मोला) की अहम गिरफ्तारी है। ऐसे ही मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी पकड़ा गया। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में एचयूटी के आतंकवादी पकड़े गए। जिसमे मुस्सिन खान (प्रमुख योजनाकार, वित्तपोषक) की गिरफ्तारी बहुत अहम है। गाजवा-ए-हिंद के लिए एक पीएफआई मोड्यूल का खुलासा भी हुआ है। एनआईए द्वारा बिहार, यूपी, गुजरात व केरल में कई स्थानों पर रैड की गई और कई आरोपितों के साथ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। कर्नाटक से तीन लश्करएतैयबा (एलईटी) सहयोगी पकड़े गए हैं। कुछ कश्मीरी युवक भी पकड़े गए हैं। आज सोचनेवाली बात यह है कि देश भर में न जानें इस तरह के कितने षड्यंत्र सनातन के विरोध में चल रहे हैं!

सवाल यह है कि क्या यह ऑपरेशन जो मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के विचारों की उपज है, सिर्फ उत्तराखंड तक ही सीमित रहना चाहिए अथवा भारत के हर राज्य में इसी तरह से एक ऑपरेशन चलाया जाना चाहिए? जिसे कि उत्तराखंड की तरह ही राज्य सरकार हाथ में लेकर चलाए। वास्वत में आज इस अभियान में जैसी कार्रवाई फर्जी साधुओं और ठगी करने वालों के खिलाफ हो रही है, वह एक राज्य तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सनातन धर्म या किसी भी मत, पंथ, संप्रदाय के खिलाफ देश भर में कहीं भी कुछ अपराध घट रहा है तो उस पर तुरंत अंकुश लगाना आवश्यक है, इसलिए कहना होगा कि उत्तराखंड में जो पुष्कर सिंह धामी 'ऑपरेशन कालनेमि' के जरिए कर रहे हैं, वह किसी भी रूप में सही देश के हर राज्य में किए जाने की जरूरत है। क्योंकि भारतीय संविधान सभी की सुरक्षा, मौलिकता और धर्म स्वातंत्र्य की गारंटी देता है।

**(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)**

## आज का राशिफल

**मेष:** आज आप अपनी कार्यशैली में कुछ सुधार ला सकते हैं, जिससे भविष्य की योजनाओं में सफलता मिलेगी। निवेश से लाभ संभव है। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी और जीवनसाथी से संबंध अत्यंत मधुर रहेंगे। किसी शुभ आयोजन में शामिल हो सकते हैं। शेयर बाजार से लाभ की संभावना है।

**वृषभ:** नौकरीपेशा जातकों के लिए दिन शुभ है। आज के दिन अटकी हुई राशि वापस मिल सकती है। हालांकि, अत्यधिक भरोसा किसी पर न करें। परिवार के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और कार्य समय पर पूर्ण होंगे।

**मिथुन:** सरकारी नौकरी में कार्यभार कम हो सकता है। आज के दिन आपके लिए व्यापारिक यात्रा के योग हैं। अपनी पसंद का कार्य करना लाभकारी होगा। इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब हो सकता है, और किसी की निंदा से बचें।

**कर्क:** मनोस्थिति सकारात्मक बनाए रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहें। कार्यस्थल पर मानहानि की संभावना है। संपत्ति विवाद से बचें। व्यवसाय में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। कानूनी मुद्दों को लेकर चिंता रहेगी।

**सिंह:** आज के दिन अपनी परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें। आज आपके प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा। आज आपको कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपका घर की सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा।

**कन्या:** अनुशासित दिनचर्या से दिन लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थों से सहयोग प्राप्त होगा। परिजनों के साथ खरीदारी के योग हैं। वित्तीय अड़चनों से राहत मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पदोन्नति संभव है।

**तुला:** दांपत्य जीवन में थोड़ी अनबन हो सकती है। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। बच्चों को लेकर चिंता हो सकती है। आपकी सलाह की सराहना होगी। विद्यार्थियों को सफलता के योग हैं।

**वृश्चिक:** कार्यस्थल पर कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं। व्यापार में नए साझेदार जुड़ सकते हैं। पारिवारिक तनाव संभव है। बुजुर्गों की सलाह को अनदेखा न करें। आय में कमी और घरेलू वस्तुओं के खराब होने की आशंका है।

**धनु:** प्रभावशाली लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। नौकरीपेशा जातक लक्ष्य समय से पहले हासिल कर सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। नई संपत्ति खरीदने के संकेत मिल रहे हैं।

**मकर:** आज के दिन परिवार में तालमेल की कमी रह सकती है। आज कार्यस्थल पर टीमवर्क में श्रेष्ठता दिखेगी। आज आपके लिए समय का सही उपयोग आवश्यक है। अपनी प्रतिभा को लोगों के सामने सिद्ध करेंगे।

**कुंभ:** आज के दिन संचित धन का उपयोग व्यापार में लाभकारी रहेगा। नौकरी के अवसरों में सफलता के संकेत हैं। आज आपकी आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। बुजुर्ग महिला का सहयोग मिलेगा। सेहत में सुधार होगा।

**मीन:** आज मौसम के बदलाव से आपको थकावट महसूस हो सकती है। संपत्ति को लेकर चिंता हो सकती है। अनावश्यक खर्चों से बचें। आज प्रेम संबंधों में शक की स्थिति बनेगी। शांत और धैर्यपूर्ण रवैया रखें।

## राष्ट्रीय एकता में दर्शन का सदुपयोग

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

दर्शन बुद्धि विलास नहीं है। मानव जीवन को आनंदित करने के लिए दर्शन का सदुपयोग होता रहा है। राष्ट्रीय एकता के लिए भी दर्शन की उपयोगिता है। वेदांत दर्शन का सदुपयोग शंकराचार्य व विवेकानंद ने किया था। वेदांत का मूल ग्रंथ ब्रह्मसूत्र है। ब्रह्मसूत्र असाधारण रचना है। इसमें वेदो से लेकर उपनिषद् काल तक विकसित सभी विचारों पर टिप्पणियां हैं। रचनाकार ने सूत्रों में बड़ी-बड़ी बातें की हैं। ब्रह्म सूत्र में पूरी बात के लिए भी अतिअल्प शब्द विन्यास हुआ है। पहला सूत्र है-अथातो ब्रह्म जिज्ञासा। अब ब्रह्म की जिज्ञासा है। दूसरे सूत्र में दो शब्द ही हैं, ''जन्माद्यस्य यतः। अनुवाद है-यहां जिससे जन्म आदि होते हैं।''

अनुवाद से अर्थ पूरा नहीं निकलता इसलिए अनुभूति की सहायता से कहते हैं-वही ब्रह्म है। अब अर्थ पूरा हुआ ''जिससे जन्म आदि होते है वह ब्रह्म है।' जन्म आदि' का अर्थ भी बड़ा है - जन्म, युवा, बुढ़ापा, मृत्यु, सृष्टि, स्थिति, विकास और प्रलय। तीसरा सूत्र मात्र एक शब्द का ही है, ''शास्त्रयोनित्वात्''-शास्त्र में वही कारण है। पूरा अर्थ है वह ब्रह्म ही वेदों शास्त्रों में जगत का कारण कहा गया है। ब्रह्मसूत्रों में सृष्टि जगत का रहस्य है, उपनिषदों में वर्णित तमाम सूत्रों की व्याख्या है।

ब्रह्मसूत्र चार अध्यायों व 16 छोटे-छोटे खण्डों में विभाजित है। 16 खण्डों को पाद-चरण कहा गया है। सूत्रों में वेद उपनिषद् में आए तमाम शब्दों, प्रत्ययों, विचारों का विवेचन है। उपनिषदों में प्राण शब्द आया है। यहां प्राण को ब्रह्म कहा गया है। (1.1.28-31) छान्दोग्य उपनिषद् में सम्पूर्णता के लिए 'भूमा' शब्द आया है। यहां भूमा को ब्रह्म बताया गया है। (1.3.8-9) विवेकानन्द ने भी 'भूमा' को ब्रह्म कहा है 'ब्रह्म' नाना रूपों में परिवर्तित जैसा प्रति भासित होता है। इस प्रकार अद्वैतियों के लिए जीवात्मा का स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

उनके अनुसार माया ही जीवात्मा के अस्तित्व का कारण है। पारमार्थिक दृष्टि से उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है। इस प्रकार सत्ता यदि केवल एक है, तो यह कैसे संभव हो सकता है कि मैं पृथक सत्ता हूं और तुम एक पृथक सत्ता हो? यथार्थ में हम लोग सभी एक हैं। हमारी द्वैत दृष्टि ही सभी अनिष्ट का कारण है। जभी मैं यह समझता हूं कि मैं संसार से पृथक हूं, तभी पहले भय उत्पन होता है और तब दुख का अनुभव होता है। जहां व्यक्ति दूसरे से सुनता है, दूसरे को देखता है, वह अल्प है। जहां व्यक्ति दूसरे को देखता नहीं, दूसरे को सुनता नहीं, वह भूमा है, वह ब्रह्म है। भूमा में परम सुख है, अल्प में नहीं?

सत्य तत्व इन्द्रियों की क्षमता से परे है। सत्य तत्व की व्याख्या वैसे भी कठिन है। श्वेताश्वतर (3.20), कठोपनिषद (2.20) और तैत्तिरीय आरण्यक में एक साथ एक प्यारा सा मंत्र/श्लोक आया है ''अणोरणीयान महतो महीयान-अणु से लघुतम अणु और महान से महत्तर (वह है)''। श्वेताश्वतर (6.19) में इसी बात को और विस्तार देते है ''वह निरवयव है, निश्चल है, शांत, निर्दोष और निर्लिप्त है।''

ब्रह्मसूत्र में 561 सूत्र हैं। सभी सूत्र ब्राह्मणों उपनिषदों का विश्लेषण है। ब्रह्म की स्थापना है। यहां सांख्य दर्शन के कारणवाद का खण्डन है। (अध्याय 2.2.1-10) इसी तरह कणाद के परमाणुवाद से उठे भौतिकवादी प्रश्नों का भी परम ब्रह्म में निरूपण है। (वही:11-17) बौद्ध और जैनमतों का भी जबर्दस्त खण्डन किया गया है (ब्रह्मसूत्रः गीता प्रेस पृष्ठ 148-177) आगे सारी बाते गीता प्रेस से प्रकाशित ब्रह्मसूत्र की पृष्ठ संख्या के उद्धरणों से लिखी गयी हैं। मधु विद्या अमूल्य है। जैमिनि ने पूर्व मीमांसा में इसे देवताओं के योग्य नहीं बताया क्योंकि देवताओं को यह विद्या सहज प्राप्य है। वे ज्योतिर्मय लोकों में रहते हैं। (पृष्ठ 77 श्लोक 1.3.31-32) अगले श्लोक में लिखा है कि 'वादरायण' को यह मतमान्य नहीं है।

वेद और उपनिषद 'आनंद' को बार-बार दुहराते है। ब्रह्मसूत्र भी 'आनन्दमयो अभ्यसात' (1.1.12) लिखता है। यहां आनंदमय शब्द में मयट प्रत्यय संसार बोधक है, मय का तात्पर्य 'व्याप्त' होता है, जैसे दुखमय, सुखमय आदि। ब्रह्मसूत्र आनन्दमय को भी ब्रह्मय बताते हैं। लेकिन तैत्तिरीय उपनिषद में आनंदमय का वर्णन करते हुए उसे सीधे 'रसो वै सः' - वह रस है बताते हैं।

ब्रह्मसूत्र में उपनिषदों का आनंद भी ब्रह्म है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद का विवेचन है। आनंदमय ब्रह्ममयता है। (1.1.12-19) मुण्डकोपनिषद् में एक मंत्र में कहते हैं ''जो अदृश्य है, इन्द्रिय बोध से परे है, वर्णहीन, गोत्रहीन, आंख, कान, पैर से रहित है नित्य, व्यापक, परिपूर्ण और अविनाशी है। धीरपुरूष उसे देखते हैं, वह समस्त भूतों का कारण है। इसी संदर्भ को लेकर ब्रह्मसूत्र में बताया गया है कि वैदिक अनुभूति में जो अदृश्यता आदि गुणों वाला है। वह ब्रह्म है।'' (1.2.21)

ब्रह्मसूत्र मूर्ति पूजा-प्रतीक पूजा की विधि बताता है। आगे कहते हैं 'आसीन सम्भवात'-बैठकर ही ऐसा सम्भव है। (4.1.7) फिर कहते हैं ''ध्यानाच्य-ध्यान'' (4.1.8) और 'अचलत्वे चापेक्ष्य-शरीर की अचलता की अपेक्षा।'' (4.1.9) ब्रह्मसूत्रों पर तमाम भाष्य लिखे गये। शंकराचार्य का भाष्य अद्वैत सिद्धांत कहलाया। उन्होंने इसी आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या बताया।

सबसे दिलचस्प है विद्या का प्रकरण। तीसरे अध्याय के चैथे पाद के प्रथम सूत्र में कहते हैं, ''पुरुषार्थ की सिद्धि इसी से (ज्ञान) होती है। शब्द (वेद) यही बताते हैं।'' अगले सूत्र में कहते हैं कि पूर्व मीमांसा के द्रष्टा आचार्य जैमिनि यह बात नहीं मानते। उनका मत है कि ज्ञान को पुरूषार्थ बताना अर्थवाद है। पुरुषार्थ का साधन तो कर्म हैं। श्रेष्ठजनों के आचरण से यही सिद्ध होता है। छान्दोग्य उपनिषद् में भी कर्म को ही पुरूषार्थ का साधन कहा गया है। कर्म कर्तव्य है। (वही 2-7) 6 सूत्रों में जैमिनी के तर्क बताकर फिर वादरायण का मत है ''श्रुति में कर्म की अपेक्षा विद्या की महत्ता है।'' बड़ी मजेदार लेकिन उचित धारणा है कि विद्या कर्म का भाग नहीं है। अध्ययन कर्म भाग है-अध्ययन मात्रवतः। (वही 3.4.12) बताते हैं कि ''विद्या से कर्मों का (कर्मफल) पूरा नाश हो जाता है।'' (3.4.16)

वैदिक दर्शन में अक्षर शब्द बहुत आया है। वृहदारण्यक उपनिषद् (3.8.7) में अक्षर की विवेचना है। गार्गी ने याज्ञवल्क्य से पूछा जो द्युलोक से ऊपर है, पृथ्वी से भी नीचे है। इन दोनो के बीच में भी है। जिसे भूत भविष्य और वर्तमान कहते हैं वह काल किसमे ओत प्रोत है? याज्ञवल्क्य ने कहा-आकाश में। गार्गी ने पूछा, वह आकाश किसमें ओतप्रोत है? याज्ञवल्क्य ने कहा उसे ब्रह्मवेत्ता अक्षर कहते हैं, यह न सूक्ष्म है, न लघु, न बड़ा, न लाल, न पीला। ब्रह्मसूत्र (1.3.100) में अक्षर भी ब्रह्म है। सूत्र है ''अक्षरम्बरान्त धृते-अक्षर आकाश पर्यन्त सबको धारण करता है।'' छान्दोग्य उपनिषद् में कहा गया ''निश्चय ही सभी प्राणी आकाश से ही उत्पन्न होते हैं।''

ब्रह्मसूत्र में आकाश भी ब्रह्म है। सृष्टि सृजन के सम्बन्ध में उपनिषदों में अनेक विचार हैं। छान्दोग्य उपनिषद् में तेज, जल और अन्न का क्रमिक विकास है। तैत्तिरीय उपनिषद् में ब्रह्म से आकाश की उत्पत्ति है। फिर आकाश से वायु और वायु से तेज। लेकिन वृहदारण्यक उपनिषद् में आकाश अमृत है। अमृत का जन्म नहीं होता, मरण भी नहीं होता। ब्रह्म सूत्र में सारी शंकाओं, मतों का विवेचन है। फिर ब्रह्म को ही जगत का कारण बताया गया है। दर्शन का सदुपयोग बौद्ध, जैन ने भी किया, लेकिन शंकराचार्य विरल हैं। उन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता को परिपुष्ट किया।

**(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)**

# मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की ओर से पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025 को मंजूरी

## पवित्र ग्रंथों की बेअदबी के जघन्य अपराध के दोषियों के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया ऐतिहासिक निर्णय

संवाददाता
चंडीगढ़

बेअदबी के जघन्य अपराध के दोषियों के लिए कठोर सजा सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने आज पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी। इस संबंध में निर्णय सुबह मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर उनकी अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि बीते समय में पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य पवित्र ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं ने लोगों के दिलों को गहरे तक आहत किया और समाज में बेचैनी की स्थिति भी उत्पन्न हुई। भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 298, 299 और 300 ऐसे मामलों को संभालने में इन घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए कठोर सजा का प्रस्ताव नहीं करती। ऐसे अपराधों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए और सामुदायिक सद्भावना तथा धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के महत्व को समझते हुए, मंत्रिमंडल ने सजा के प्रावधान को और सख्त करने के लिए राज्य आधारित कानून लाने की आवश्यकता महसूस की, जिसमें किसी भी पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के दोषी पाए जाने वालों के लिए आजीवन कारावास तक की सजा शामिल है।

इस संदर्भ में मंत्रिमंडल ने पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक में पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब, भगवद गीता, पवित्र बाइबल, कुरान शरीफ और अन्य पवित्र ग्रंथों की बेअदबी करने वाले दोषियों के लिए आजीवन कारावास सहित कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। इस कानून के लागू होने से राज्य में सामुदायिक सद्भावना, शांति, एकता और भाईचारे की डोर को मजबूत करने की कोशिशों को और बल मिलेगा। इस कदम से जघन्य अपराध के दोषियों के लिए कठोर सजा सुनिश्चित करके समाज विरोधी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने में और ताकत मिलेगी।

यह उल्लेखनीय है कि अब तक ऐसा कोई विशेष कानून मौजूद नहीं था जो पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराधों को और समुदायों से जुड़े बेअदबी के मामलों में सजा का प्रावधान करके इस कानूनी खालीपन को भरना है। इस प्रस्तावित कानून के तहत बेअदबी का दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का सामना करना पड़ सकता है। इस अपराध की कोशिश करने वालों को भी तीन से पांच साल की कैद की सजा का सामना करना पड़ सकता है, जबकि अपराध के लिए उकसाने वालों को अपराध के अनुसार सजा मिलेगी।

मंत्रिमंडल ने पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स, एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 को भी मंजूरी दे दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्रशर यूनिट, सामग्री विक्रेता और खुदरा विक्रेता निर्धारित ढांचे के भीतर काम करें। ये नियम पंजाब रेगुलेशन ऑफ क्रशर यूनिट्स, एंड स्टॉकिस्ट्स एंड रिटेलर रूल्स-2025 के अनुसार तैयार किए गए हैं, जो क्रशर यूनिटों द्वारा अवैध रूप से खनन की गई रेत और बजरी की खरीद को रोकने के लिए लागू किया गया था। नए नियम अधिनियम के प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह ढंग से लागू करने की सुविधा के लिए विस्तृत प्रक्रियाओं, निर्धारित फॉर्म, समय-सीमाओं, अधिकारियों और अनुपालन विधियों को परिभाषित करते हैं।

इनका उद्देश्य कार्यप्रणाली में अस्पष्टता को खत्म करना, रॉयल्टी चोरी और अवैध खनिज व्यापार को रोकना, और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और कानूनी रूप से अनुकूल व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, इन नियमों से पूरे राज्य में पारदर्शिता बढ़ाने और अवैध खनन गतिविधियों को रोकने की उम्मीद है।

# पंजाब में वर्तमान समय में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं, सरकार द्वारा हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए पुख़्ता प्रबंध: बरिंदर कुमार गोयल

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के जल स्रोत मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज विधानसभा में जानकारी दी कि पंजाब में जल भंडारों का स्तर स्थिर है और राज्य में वर्तमान समय में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए पुख़्ता प्रबंध किए गए हैं।

विधायक राणा इंदर प्रताप सिंह द्वारा जल भंडारों (रिजरवायरों) में पानी के स्तर के बढ़ने के कारण निचले क्षेत्रों में बाढ़ के खतरे को रोकने संबंधी प्रस्तुत किए गए ध्यान आकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए जल स्रोत मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि 10 जुलाई, 2025 तक प्रमुख जल भंडारों में पानी का स्तर सुरक्षित सीमाओं के भीतर रहा।

उन्होंने बताया कि भाखड़ा डैम में वर्तमान स्तर 1590.48 फीट है, जो 2023 की बाढ़ के दौरान 10 जुलाई, 2023 को 1614.89 फीट था। इसी तरह पोंग डैम में वर्तमान स्तर 1325.48 फीट है, जो 2023 की बाढ़ के दौरान 10 जुलाई, 2023 को 1350.63 फीट था। उन्होंने बताया कि रंजीत सागर डैम में वर्तमान स्तर 505.41 मीटर है, जो 2023 की बाढ़ के दौरान 10 जुलाई, 2023 को 520.2 मीटर था। जल स्रोत मंत्री ने बताया कि तीनों जल भंडार सुरक्षित ढंग से काम कर रहे हैं और खतरे के स्तर से काफी नीचे हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ की तैयारी के लिए जल स्रोत विभाग ने किसी भी संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए व्यापक उपाय सक्रिय रूप से लागू किए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने बाढ़ की रोकथाम के लिए 204.5 करोड़ रुपये के फंड अलॉट किए हैं। एस.डी.एम.एफ, मनरेगा और विभागीय फंडों के उपयोग से 599 प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय मशीनरी के उपयोग से 4766 किलोमीटर से अधिक नालों, नदियों और चोओं की गाद साफ की गई है। उन्होंने बताया कि स्टेट डिजास्टर मिटिगेशन फंड (एस.डी.एम.एफ) के तहत बांधों की मजबूती के लिए प्रोजेक्ट लिए गए हैं। ज़िलों में 8.76 लाख ई.सी. बैग (बोरियां) खरीदी गई हैं और 2.42 लाख बोरियां भरकर रखी गई हैं। इसके अलावा मिट्टी की स्थिरता को बढ़ाने के लिए 53,400 बांस के पौधे लगाने के साथ-साथ 1044 चेक डैम, 3957 सोक पिट और 294 किलोमीटर लंबे वेटिवर घास के पौधे पूरे किए गए हैं।

जल स्रोत मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि राज्य में कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें तैयार हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में दरियाओं और नालों की वास्तविक समय में निगरानी की जा रही है। उन्होंने दोहराया कि जल भंडारों का स्तर स्थिर है और महत्वपूर्ण सीमाओं से बहुत नीचे है। उन्होंने बताया कि सरकार ने बाढ़ के किसी भी खतरे का तेजी से और प्रभावशाली ढंग से जवाब देने के लिए जमीनी स्तर पर मजबूत प्रणालियाँ स्थापित की हैं।

# कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने चंद घंटों में सुलझाया हत्या का मामला, दो गिरफ्तार

संवाददाता
जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों में एक हत्या के मामले को सुलझा लिया है।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के नेतृत्व में, डीसीपी (जांच) मनप्रीत सिंह ढिल्लों, एडीसीपी-2 सिटी हरिंदर सिंह गिल, (एसीपी वेस्ट )सरवनजीत सिंह और भारगो कैंप थाने की टीम तथा एसएचओ सुखजीत सिंह की टीम ने यह त्वरित कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने भारगो कैंप थाना क्षेत्र में हुई नृशंस हत्या में शामिल दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के पिता विपन कुमार पुत्र चरण दास निवासी मकान नंबर 625 नजदीक सिविल डिस्पेंसरी, टाहली वाला चौक, भारगो कैंप की शिकायत पर थाना

भारगो कैंप में मुकदमा नंबर 107, तारीख 14.07.2025 धारा 103(1), 191(3) और 190 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि विपन कुमार का बेटा वरुण अपने भतीजे लोकेश और विशाल के साथ मेहगा डिपो वाली गली से गुजर रहा था, तभी कुछ अज्ञात युवकों ने उन पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। विपन और उसका साला भी मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन पर भी हमला किया गया। हमले के दौरान गंभीर रूप से घायल विपन पुत्र वरुण को तुरंत श्री राम न्यूरो सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए, सीसीटीवी फुटेज की जाँच और घटनास्थल का मुआयना करते हुए दो आरोपियों ध्रुव कुमार (18 वर्ष) पुत्र पुरुषोत्तम लाल, निवासी 131/01 चोपड़ा साउंड, भारगो कैंप और सुनील कुमार उर्फ भिंडी (25 वर्ष) पुत्र राज कुमार, निवासी मकान नंबर 3242, ज्ञान गिरी मंदिर के पास, चापाली चौक, भारगो कैंप को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सोनू पंडित निवासी भारगो कैंप की गिरफ्तारी अभी बाकी है और उसकी जल्द गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी ध्रुव कुमार के खिलाफ भारगो कैंप थाने में पहले ही एक मामला दर्ज है, जबकि आरोपी सुनील कुमार उर्फ भिंडी के खिलाफ डिवीजन नंबर 6 थाने और भार्गो कैंप थाने में दो मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जाँच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस जालंधर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध है।

# जालंधर ग्रामीण पुलिस ने ऑपरेशन कासो के तहत 20 हॉटस्पॉट इलाकों की जाँच की

संवाददाता
जालंधर

एस.एस.पी जालंधर ग्रामीण हरविंदर सिंह विर्क के निर्देश पर और एस.पी. (जांच) सरबजीत राय के नेतृत्व में, जालंधर ग्रामीण पुलिस ने नशा तस्करी और आपराधिक तत्वों के विरुद्ध ऑपरेशन कासो चलाया।

इस विशेष अभियान के दौरान, 8 राजपत्रित अधिकारियों और 128 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जिन्होंने ज़िले के 20 हॉटस्पॉट इलाकों की जाँच की। जाँच के दौरान, एनडीपीएस अधिनियम के तहत 4 एफ.आई.आर. दर्ज की गईं और 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

विभिन्न स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और अवैध शराब बरामद की गई।

एस.एस.पी. जालंधर ग्रामीण ने

बताया कि पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत ऑपरेशन कासो चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य नशे तस्करी की श्रृंखला को तोड़ना, युवा पीढ़ी को नशे से बचाना और ज़िले में मजबूत कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी शुरूआत है और आने वाले दिनों में ऑपरेशन कासो के तहत और भी तेजी से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ इस जंग में आम जनता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की सूचना पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

# अमृतसर स्वर्ण मंदिर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने जांच की शुरू

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी दी गई है। यह धमकी सोमवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को एक ईमेल के माध्यम से भेजी गई। धमकी मिलने के बाद एसजीपीसी ने दरबार साहब परिसर में टास्क फोर्स की सुरक्षा को मजबूत कर दिया है, वहीं गोल्डन टेंपल के बाहरी क्षेत्र में पुलिस बल को तैनात किया गया है। अमृतसर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

एसजीपीसी के सदस्य कुलवंत सिंह मनन ने सोमवार को बताया कि आज उन्हें एक ईमेल प्राप्त हुई, जिसमें गोल्डन टेंपल को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी दी गई है। मनन ने कहा कि यह धमकी मिलने के बाद

एसजीपीसी टास्क फोर्स की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। टास्क फोर्स को निर्देश दिए गए हैं कि दरबार साहिब परिसर में मिलने वाले किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को तुरंत हिरासत में लिया जाए। मनन ने कहा कि उनकी तरफ से पुलिस को शिकायत भेज दी गई है।

एसजीपीसी की शिकायत मिलने के बाद हरकत में आई अमृतसर पुलिस ने दरबार साहब के बाहरी क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन भी चलाया तथा दरबार साहब की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी को और मजबूत किया है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने देर रात एक वीडियो जारी कर कहा कि दरबार साहब आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। यह धमकी दहशत फैलाने के उद्देश्य से दी गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस के साइबर सेल द्वारा की गई जांच में पता चला है कि धमकी देने वाले ईमेल में दक्षिण भारत के कुछ स्थानों को टारगेट किया गया है उसी में गोल्डन टेंपल का भी नाम लिखा गया है।

यह मेल दहशत फैलाने के उद्देश्य से भेजी गई है। इसके बावजूद पुलिस तथा एसजीपीसी की टास्क फोर्स पूरी तरह से सतर्क है। गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस की अलग-अलग टीमें मामले की जांच कर रही हैं। बहुत जल्द धमकी देने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# पंजाब विधानसभा द्वारा पंजाब स्टेट डेवलपमेंट टैक्स (संशोधन) बिल, 2025 और पंजाब विनियोग अधिनियम (रपील) बिल, 2025 सर्वसम्मति से पारित

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा ने आज राज्य के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा द्वारा प्रस्तुत पंजाब स्टेट डेवलपमेंट टैक्स (संशोधन) बिल, 2025 और पंजाब विनियोग अधिनियम (रपील) बिल, 2025 को सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

पंजाब राज्य विकास टैक्स (संशोधन) बिल, 2025 का उद्देश्य पंजाब स्टेट डेवलपमेंट टैक्स एक्ट, 2018 को सुचारू बनाना और इसकी दक्षता को बढ़ाना है, जिसके तहत प्रत्येक आयकरदाता द्वारा 200 रुपये प्रति माह कर अदा किया जाता है, जिससे वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 190.36 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व प्राप्त हुआ।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के

प्रतिनिधियों ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा पारित मौजूदा एक्ट में कुछ व्यवहारिक कठिनाइयों के बारे में उनसे संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ विचार-विमर्श के बाद संशोधित बिल में टैक्स ढांचे के विभिन्न पहलुओं को सरल बनाने और स्पष्ट करने के लिए कई मुख्य प्रावधान तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि करदाताओं के लिए एक एकमुश्त टैक्स भुगतान विकल्प जैसी महत्वपूर्ण सुविधा दी गई है, जिससे किसी भी व्यक्ति को मासिक 200 रुपये (वार्षिक 2400 रुपये) के बजाय एक बार में 2200 रुपये जमा करने की सुविधा होगी, जिससे इस कर के भुगतान की प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

इसके अतिरिक्त, एक बार के निपटारे की विधि को सुविधाजनक बनाने के लिए पीएसडीटी एक्ट में एक नई धारा 11ए जोड़ी गई है। विशेष परिस्थितियों से उत्पन्न जटिलताओं को हल करने के लिए, बिल में पीएसडीटी एक्ट के अंतर्गत नई धाराओं 11बी, 11सी और 11डी को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है। ये धाराएं किसी पंजीकृत व्यक्ति की मृत्यु, कंपनियों के परिसमापन या कॉर्पोरेट दिवालियापन के मामलों से जुड़े मामलों में टैक्स भुगतान देनदारियों को दशाएँगी।

इसके अलावा, अनावश्यक उलझनों को दूर करने के लिए बिल में दोहरी देनदारी की स्थितियों में केवल एक ही पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। बिल व्यक्तिगत और एकमात्र स्वामित्व दोनों रूपों में अलग-अलग पंजीकरणों की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से समाप्त करता है। अंततः, एक महत्वपूर्ण संशोधन पंजाब स्टेट डेवलपमेंट टैक्स एक्ट, 2018 के अधीन देय अधिकतम जुमार्ने को सीमित करने का है, जिसके तहत जुमार्ने की राशि संबंधित टैक्स बकाया से अधिक नहीं होगी।

पंजाब विनियोग अधिनियम (रपील) बिल, 2025 पिछले कई वर्षों के दौरान राज्य की विधायी संरचना के तहत कई पुराने और समाप्ति अवधि पूरी कर चुके एप्रोप्रिएशन एक्ट्स (मनी बिल्स) को रद्द करने के लिए लाया गया है। यह देखा गया है कि पिछले कई वर्षों के दौरान लागू किए गए बहुत सारे विनियोग अधिनियम अपना वास्तविक महत्व खो चुके हैं, किंतु अभी भी विधायी पुस्तकों में दर्ज हैं। विनियोग अधिनियम, जिनकी शर्तें समाप्त हो चुकी हैं, को रद्द करने से किसी भी प्रकार से उन कार्यवाहियों पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा जो इन अधिनियमों के अनुसार वैध रूप से की गई हैं या की जानी हैं, जब तक कि इस एक्ट द्वारा उक्त धाराओं को रद्द नहीं किया गया हो। यह, हालांकि, और मुख्य रूप से, विधायी पुस्तकों को साफ करने और पुराने कानून से जुड़े बोझ को कम करने के उद्देश्य की पूर्ति करेगा।

## संक्षिप्त-समाचार

### पंजाब सड़क सफाई मिशन' के अंतर्गत जालंधर-होशियारपुर मार्ग पर सफाई एवं अन्य कार्यों की समीक्षा

**जालंधर।** सड़कों की निरंतर निगरानी हेतु जिला के डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल एवं अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा 51 सड़कों को गोद लिया गया है। इस मिशन को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने हेतु डिप्टी कमिश्नर के निर्देश पर आज अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(ग्रामीण विकास) विवेक मोदी ने जालंधर-होशियारपुर मार्ग पर सफाई एवं अन्य आवश्यक कार्यों की समीक्षा की। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने संबंधित बी.डी पी.ओ. को होशियारपुर मार्ग की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व एन.एच.ए.आई. को पूरी सड़क पर गड्ढों की तुरंत मुरम्मत करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, सड़क के डिवाइडरों के बीच लगी बूटी आदि की सफाई भी सुनिश्चित की जाए।

### नशों के विरुद्ध युद्ध का 135वां दिनः 109 तस्कर गिरफ्तार, 2.7 किलो हेरोइन और 7.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा चलाए जा रहे राज्य को नशामुक्त बनाने के अभियान ₹युद्ध नशों विरुद्ध₹ के 135वें दिन पंजाब पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इस विशेष अभियान के तहत राज्यभर में 109 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 2.7 किलो हेरोइन, 1.5 किलो अफीम, 42 किलो भुक्की और 7.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। इसके साथ ही अब तक पिछले 135 दिनों में कुल गिरफ्तार नशा तस्करों की संख्या 21,938 हो चुकी है। यह राज्यव्यापी कार्रवाई पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डी पी) गौरव यादव के निदेर्शों पर सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाई गई। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए ठोस कार्रवाई करें। इसके अतिरिक्त पंजाब सरकार ने इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि 88 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1300 से अधिक पुलिसकर्मियों की 180 से अधिक टीमों ने प्रदेशभर में 399 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 72 एफआईआर दर्ज की गईं और पुलिस टीमों ने 429 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की। स्पेशल डीजीपी ने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा नशे के उन्मूलन के लिए लागू की गई तीन-स्तरीय रणनीति – प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट), पुनर्वास (डी एडिक्शन) और रोकथाम (प्रिवेंशन) – के तहत आज पंजाब पुलिस ने 58 नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार किया है।

### पालकी यात्रा का आयोजन श्री गणेश महोत्सव के आगमन का है सूचक : सुखदेव जी महाराज

**लुधियाना।** श्री सिद्धि विनायक मंदिर चूहड़पुर रोड न्यू माया नगर द्वारा 22 वें श्री गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में तीसरी पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा का आयोजन मंदिर प्रधान रविनंदन शर्मा की अध्यक्षता में किया गया।सांय मंदिर के आचार्य पंडित किशोर शर्मा ८ पंडित विजय ने पूर्ण विधि विधान के साथ भगवान श्री सिद्धि विनायक की पूजा अर्चना के बाद प्रभु के स्वरूप को पालकी में विराजमान किया।तीसरी पालकी यात्रा की सेवा सेवादार गणेश कुमार के परिवार को प्राप्त हुई ।इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों द्वारा भगवान बप्पा का गुणगान कर आरती की व भगवान श्री सिद्धि विनायक को लड्डुओं का भोग लगाया गया।उपरन्त पंडित कमल किशोर जी ८ पंडित विजय शर्मा ने विधिविधान के साथ पालकी यात्रा का शुभारम्भ किया । पालकी यात्रा का जगह जगह भक्तों द्वारा पुष्प बर्षा व दीपमाला के साथ भगवान बप्पा का स्वागत व पूजन किया गया।पालकी यात्रा रघुवीर पार्क से आरम्भ होकर हैबोवाल कलां के मुहल्लों से होती हुई दीपक कुमार जोशी नगर के निवास स्थान पहुंची.यहां भगवान सिद्धि विनायक जी को विश्राम दिया गया।

# आंध्र प्रदेश में सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत

## अन्नामय्या जिले में आमों से लदी एक लॉरी एक मिनी ट्रक पर पलट गई

फोटोः हि.स.

- शिकायतकर्ता ने कहा, तेज गति से वाहन चलाने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया

एजेंसी (हि.स.)
अमरावती

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में आमों से लदी एक लॉरी के एक मिनी ट्रक पर पलट जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आम से लदी लॉरी राजमपेट मंडल के थल्लापका गांव से कोडुर जा रही थी और उसमें लदे आम के बक्सों पर मजदूर बैठे थे। पुलिस ने बताया कि एनएच-716 पर रेड्डीपल्ली तालाब के पास लॉरी पलट गई।

अन्नामय्या जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी विद्यासागर नायडू ने बताया, की ट्रक के बाईं ओर पलट जाने से उस पर बैठे मजदूर गिर गए। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल हुए 12 घायलों में से चार की हालत गंभीर है, जिन्हें कडप्पा ज़िले के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि बाकी का इलाज स्थानीय अस्पताल में हो रहा है।

शिकायतकर्ता एन शिव कुमार ने पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में कहा, तेज गति से वाहन चलाने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया। मेरी पत्नी और अन्य लोग वाहन के नीचे फंस गए जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुल्लमपेट पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हादसे में बचे हुए लोगों ने चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को घायल व्यक्तियों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यह दुखद है कि काम से घर लौटते समय गरीब मजदूरों की जान चली गई। सरकार मृतकों के परिवारों को पूरी सहायता प्रदान करेगी।₹ राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में नजीर ने कहा, ₹इस दुखद दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से मैं बहुत दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

### बीकानेरः कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, दो छात्रों सहित तीन युवकों की मौत

**जयपुर।** राजस्थान के बीकानेर जिले में सड़क हादसे में दो नर्सिंग छात्र समेत तीन युवकों की मौत हो। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा रविवार देर रात करीब एक बजे जयपुर-जोधपुर बाईपास पर हुआ था। इसके अनुसार एक कार ने मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार नर्सिंग छात्र खुमाराम (21) और इंद्र कुमार (21) तथा राहगीर अरविंद कुमार की मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

# आईआईएम-कलकत्ता मामलाः महिला को कोल्ड ड्रिंक में नींद की गोलियां मिलाकर दी गई थीं

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), कलकत्ता के परिसर में कथित दुष्कर्म मामले के आरोपी ने एक नजदीकी दवा दुकान से नींद की गोलियां खरीदने की बात स्वीकार की है, जिसे उसने अपराध को अंजाम देने से पहले महिला को दी गयी 'कोल्ड ड्रिंक्स' और पीने के पानी में मिला दिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हालांकि, पुलिस ने आरोपी छात्र के बयानों में कई विसंगतियां पायी हैं। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने नींद की गोलियां खरीदी थीं और उन्हें कोल्ड ड्रिंक्स व पीने के पानी में मिला दिया था, जो उसने महिला को तब दिया था जब वह वहां थी। लेकिन वह यह नहीं बता सका कि काउंसिलिंग के लिए उसके पास आयी महिला के साथ ऐसा करने के पीछे उसका असली इरादा क्या था। वह इस सवाल का जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से पता चला कि पीड़िता कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद लड़कों के छात्रावास के एक कमरे में गई, जहां कथित अपराध हुआ। अधिकारी ने कहा, अपराध करने के बाद आरोपी ने अपने एक दोस्त को फोन किया और उसे पूरी घटना के बारे में बताया। बातचीत के दौरान, वह उस कमरे के सामने बरामदे में घूम रहा था, जहां अपराध हुआ था। बलात्कार पीड़िता के बारे में बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि इस बात को लेकर भ्रम है कि वह वास्तव में मनोवैज्ञानिक है या नहीं उन्होंने कहा, वह अपनी योग्यता के समर्थन में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकीं कि वह एक मनोवैज्ञानिक हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने किस संस्थान से पढ़ाई की है। हमें अभी तक उनके क्लीनिक (चेम्बर) और उनके नाम तथा अन्य विवरण वाले किसी भी पर्चे की जानकारी नहीं मिली है। पीड़िता के पिता के 'विरोधाभासी' बयान के बारे में पुलिस ने कहा कि वे भी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या परिवार पर बयान बदलने का 'दबाव' है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या पीड़िता के परिवार को यह बयान बदलने के लिए कोई पैसा दिया गया है। आईआईएम-कलकत्ता के छात्रावास में एक छात्र द्वारा महिला के साथ कथित बलात्कार की जांच के लिए पुलिस ने नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने बताया कि इस दल का नेतृत्व दक्षिण-पश्चिम प्रभाग के एक सहायक आयुक्त कर रहे हैं। कथित घटना शुक्रवार को आईआईएम-कलकत्ता के एक पुरुष छात्रावास में हुई और अगले दिन हरिदेवपुर पुलिस थाने में महिला द्वारा दर्ज करायी गयी प्राथमिकी के आधार पर आरोपी छात्र को गिरफ्तार किया गया। यहां की एक अदालत ने आरोपी छात्र को 19 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

# छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आईईडी विस्फोट में तीन ग्रामीण घायल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) विस्फोट में 16 वर्षीय एक लड़की समेत तीन ग्रामीण घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मद्देड़ थाना क्षेत्र के धनगोल गांव के निकट रविवार शाम हुई इस घटना में घायल लोगों की पहचान कविता कुड़ियम (16), कोरसे संतोष (26) और चिड़ेम कन्हैया (24) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण जंगल में मशरूम (फुटु) एकत्र करने गए थ तभी वे माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों के पैर और चेहरे में चोटें आई हैं। घायलों को रात में ही बीजापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि आम लोगों से अपील की गई है कि वे जंगल में जाते समय विशेष सतर्कता बरतें तथा किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस थाना या निकटतम सुरक्षा शिविर को दें।

### ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद सांसद चौधरी का मंत्री पद से इस्तीफा

**काठमांडू।** प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद अरुण कुमार चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनका त्यागपत्र अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक हफ्ते पहले ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसी के साथ पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन राज्यमंत्री अरुण कुमार चौधरी ने भी अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। चौधरी ने कहा है कि उन्होंने पांच दिन पहले इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। प्रधानमंत्री ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। उन्होंने सरकारी गाड़ी और सुरक्षा गार्ड भी वापस कर दिए हैं। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के पास चार सांसद हैं। पांच सांसदों वाले जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने भी ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। दोनों दलों के समर्थन वापस लेने के बावजूद प्रतिनिधि सभा में सरकार बहुमत में है।

# जयशंकर पहुंचे बीजिंग, चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिले

- इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर ध्यान दिया गया


फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर चीन की राजधानी बीजिंग पहुंच चुके हैं। बीजिंग पहुंचने के फौरन बाद उनकी मुलाकात चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से हुई। जयशंकर ने एक्स पोस्ट पर मुलाकात का फोटो अपलोड करते हुए लिखा, " आज बीजिंग पहुंचने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति हान झेंग से मिलकर मुझे खुशी हुई। चीन की एससीओ अध्यक्षता के लिए भारत का समर्थन व्यक्त किया। विदेशमंत्री जयशंकर ने लिखा कि इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर ध्यान दिया गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी इस यात्रा से सकारात्मक नजरिया विकसित होगा। सिंगापुर से बीजिंग पहुंचने से पहले उन्होंने रविवार को वहां के उप प्रधानमंत्री गैन किम योंग से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उन्हें तीसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार है। जयशंकर ने कहा कि सिंगापुर के साथ विभिन्न द्विपक्षीय पहलों में लगातार प्रगति हो रही है।

इससे पहले, जयशंकर ने अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में है। बैठक के बारे में एक्स पोस्ट में बालाकृष्णन ने कहा, "जैसे-जैसे विश्व बहुध्रुवीयता की ओर अग्रसर हो रहा है, भारत अवसर के इन प्रमुख ध्रुवों में से एक के रूप में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।" उल्लेखनीय है कि चीन की यात्रा के दौरान विदेशमंत्री जयशंकर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

## संक्षिप्त-समाचार

### मणिपुरः तीन अलग-अलग उग्रवादी संगठनों के कैडर गिरफ़्तार

**इम्फाल।** मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों को अभियान में बड़ी सफलता मिली है। बीते 24 घंटे में तीन अलग-अलग स्थानों से तीन उग्रवादियों को गिरफ़्तार किया गया है, जो विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े हैं और फिरौती वसूली में लिप्त थे। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि केसीपी (एमएफएल) से जुड़े एक सक्रिय कैडर अथोकपम सुनील उर्फ लंगंबा उर्फ लेलिन (43) को इम्फाल ईस्ट ज़िले के हत्ता कांगजेइबुंग, पैलेस कंपाउंड से गिरफ़्तार किया गया। वह वांगखई निंगथेम पुखरी मापाल का निवासी है और व्यवसायियों से वसूली में संलिप्त था। केसीपी (अपुनबा सिटी मैतेई) संगठन से जुड़े सिंगम कबिकंता मैतेई (33) को थौबल ज़िले के थौबल क्षेत्री लाइकाई मोइरांगपल्ली से गिरफ़्तार किया गया। वह थौबल वांगखेम ममांग लाइकाई का रहने वाला है और सरकारी कर्मचारियों से वसूली में शामिल था। उसके पास से एक लाल रंग की होंडा एक्टिवा दोपहिया वाहन तथा एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया। सुरक्षा बलों ने यूएनएलएफ (पी) से जुड़े एक सक्रिय कैडर खुल्लाकपम अयाजुद्दीन उर्फ आरिश (40) को इम्फाल वेस्ट ज़िले के मयांग इम्फाल बेंगून माखा लाइकाई से गिरफ़्तार किया। वह बेंगून लउकोक का निवासी है और मयांग इम्फाल क्षेत्र में वसूली गतिविधियों में संलिप्त था। उसके पास से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड तथा एक आधार कार्ड बरामद किया गया।

### लंदन के साउथेंड हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के तुरंत बाद एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ

**लंदन।** लंदन के साउथेंड हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही एक विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद हवाई अड्डे को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना फिलहाल जारी नहीं की गई है। नीदरलैंड की 'ज्यूश एविएशन' कंपनी द्वारा संचालित यह विमान रविवार को पहले एथेंस (यूनान) से पुला (क्रोएशिया) गया, फिर वहां से साउथेंड (ब्रिटेन) के लिए रवाना हुआ। यह विमान रविवार शाम को नीदरलैंड के लेलिस्टाड लौटने वाला था। 'ज्यूश एविएशन' ने पुष्टि की कि उसका 'एसयूजेएड1' विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है और कहा कि कंपनी जांच में सहयोग कर रही है। कंपनी के बयान में कहा, हम हादसे से प्रभावित सभी लोगों प्रति संवदेनाएं व्यक्त करते हैं। एसेक्स पुलिस ने कहा कि उन्हें हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के संबंध में शाम करीब चार बजे सूचना मिली। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान 'बीचक्राफ्ट बी200 सुपर किंग' था जो मरीजों को ले जाने के लिए चिकित्सा प्रणालियों से लैस था। यह 12 मीटर (39 फुट) लंबा एक छोटा विमान था। आपातकालीन सेवाएं और विमान दुर्घटना जांचकर्ता मौके पर हैं और अगली सूचना तक हवाई अड्डे से सभी उड़ानों का परिचालन रद्द कर दिया गया है।

### अमेरिकाः केंटकी में गिरजाघर में गोलीबारी में कई लोग घायल, संदिग्ध की मौत

**लेक्सिंगटन (अमेरिका)।** अमेरिका के केंटकी में एक गिरजाघर में गोलीबारी की एक घटना में कई लोग घायल हो गए और संदिग्ध की मौत हो गई है। केंटकी राज्य पुलिस ने यह जानकारी दी। गवर्नर एंडी बेशियर के अनुसार, गोली लगने के बाद घायल हुए एक सैनिक को चिकित्सकीय सहायता दी जा रही है।

### हुमैरा असगर की मौत ने पाकिस्तानी फिल्म उद्योग की समस्याओं को उजागर किया

**कराची।** पाकिस्तान के कराची में लोकप्रिय अभिनेत्री और मॉडल हुमैरा असगर अली की दुखद मौत ने तेजी से फल-फूल रहे पाकिस्तानी फिल्म और टेलीविजन उद्योग की गंभीर समस्याओं को और खासतौर पर भुगतान संबंधी दिक्कतों को उजागर कर दिया है।हुमैरा का शव सड़ी गली अवस्था में आठ जुलाई को कराची की पॉश डिफेंस हाउसिंग सोसाइटी स्थित उनके अपार्टमेंट से बरामद हुआ। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मौत लगभग आठ से दस महीने पहले हो चुकी थी।

# यूक्रेन को अमेरिका पैट्रियट वायु रक्षा हथियार देगा

- यूक्रेन और रूस युद्ध को रुकवा पाने से निराश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब चुप नहीं बैठेगा



फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

यूक्रेन और रूस युद्ध को रुकवा पाने से निराश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका अब चुप नहीं बैठेगा। वह यूक्रेन को पैट्रियट वायु रक्षा हथियार भेजेगा। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप युद्ध रोकने के संबंध में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कई बार चर्चा कर चुके हैं।

अमेरिका की समाचार वेबसाइट द हिल्स की खबर के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन पहुंचे पर ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं बता पाऊंगा कि यूक्रेन को आपूर्ति की जाने वाले पैट्रियट वायु रक्षा हथियारों की कितनी संख्या होगी। यूक्रेन को ऐसे हथियारों की इस समय जरूरत है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय संघ उठाएगा। उन्होंने कहा कि पुतिन दिन में अच्छी बातें करते हैं। शाम को बम गिरा देते हैं। यह विचलित करने वाला रवैया है। ट्रंप ने कहा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में उनकी नाटो महासचिव मार्क रूट से मुलाका होनी है।

इससे पहले ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि यूक्रेन को हथियार भेजने के लिए नाटो के साथ एक समझौता हुआ है। इसका खामियाजा सैन्य गठबंधन को भुगतना पड़ेगा। ट्रंप ने इस महीने की शुरूआत में पुतिन से बातचीत के बाद कहा था कि पूर्वी यूरोप में तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। यहां दिलचस्प बात यह है कि पिछले सप्ताह रक्षा विभाग ने अमेरिकी सैन्य भंडार के कम होने की चिंताओं का हवाला देते हुए यूक्रेन को कुछ वायु रक्षा मिसाइलों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोक दी थी। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि भी की थी।

दो-चार दिन बात ट्रंप ने अपना रुख बदला। इसके बाद पेंटागन ने मंगलवार को कहा यूक्रेन को अतिरिक्त रक्षात्मक हथियार भेजे जाएंगे। हैरानी इस बात पर है कि ट्रंप ने का था कि उन्हें नहीं पता कि हथियारों की आपूर्ति रोकने की मंजूरी किसने दी।

### ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बड़ा युद्ध अभ्यास 'टैलिसमैन सेबर' शुरू हो चुका है। इस सैन्य अभ्यास के दौरान चीनी जासूसी जहाजों द्वारा निगरानी किए जाने की संभावना जताई जा रही है। 'टैलिसमैन सेबर' अभ्यास की शुरूआत 2005 में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास के रूप में हुई थी। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा विभाग ने रविवार को बताया कि इस वर्ष यह अभ्यास पहले से कहीं अधिक व्यापक होगा, जिसमें 19 देशों के 35,000 से अधिक सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं और यह अभ्यास तीन सप्ताह तक चलेगा। इन देशों में कनाडा, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड, टोंगा और ब्रिटेन शामिल हैं। मलेशिया और वियतनाम भी इस अभ्यास में पर्यवेक्षक के रूप में भाग ले रहे हैं। यह अभ्यास ऑस्ट्रेलिया के निकटतम पड़ोसी देश पापुआ न्यू गिनी में भी आयोजित किया जाएगा। और यह पहली बार है जब 'टैलिसमैन सेबर' का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के बाहर होगा। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय ने कहा कि पिछले चार 'टैलिसमैन सेबर' अभ्यासों के दौरान चीनी निगरानी जहाजों ने ऑस्ट्रेलियाई तट के पास नौसैनिक अभ्यासों पर नजर रखी है।

### दक्षिण अफ्रीका के रामफोसा ने भारतीय मूल के कार्यकर्ता को पुलिस मंत्री नियुक्त किया

एजेंसी (हि.स.)
जोहानिसबर्ग

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने वर्तमान मंत्री सेंजो मचुनु को विशेष अवकाश पर भेजने के बाद रविवार को भारतीय मूल के वरिष्ठ कार्यकर्ता फिरोज कचालिया को पुलिस मंत्री नियुक्त किया। रामफोसा ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित अपने संबोधन में यह घोषणा की। एक शीर्ष पुलिस आयुक्त ने मचुनु पर आपराधिक गिरोह के नेताओं के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद राष्ट्रपति ने कचालिया की नियुक्ति की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा के क्वाजुलु-नताल के प्रांतीय आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल नहलानहला मखवानाजी ने पिछले रविवार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित प्रेस वार्ता से देश को चौंका दिया। इस प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कई तरह के आरोप लगाए जिनमें उन्होंने मचुनु और अन्य उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों पर अपराधियों की सहायता और उन्हें बढ़ावा देने में शामिल होने के आरोप भी लगाए। राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा था कि वह 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद इस मुद्दे पर फैसला करेंगे। राष्ट्रपति ने एक जांच आयोग की घोषणा की, जो आरोपों की जांच करेगा और तीन महीने के भीतर एक अंतरिम रिपोर्ट देगा। कार्यवाहक उप मुख्य न्यायाधीश म्बुइसेली मदलंगा इस जांच का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इन आरोपों से संविधान, कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा, अगर ये आरोप सही साबित होते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका के लोगों का दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा की सुरक्षा और अपराध एवं भ्रष्टाचार से प्रभावी ढंग से लड़ने की उनकी क्षमता में विश्वास कम हो सकता है।

# मुजफ्फरनगर में ढाबा मालिक के पहचान छिपाने पर कांवड़ियों ने हंगामा किया

एजेंसी (हि.स.)
मुजफ्फरनगर (उप्र)

फोटोः हि.स.

मुजफ्फरनगर के मीरापुर कस्बे में एक होटल संचालक की असली पहचान सामने आने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया। 'लकी ढाबा' नामक इस होटल पर हरिद्वार जा रहे कांवड़ यात्रियों ने भोजन किया था। आरोप है कि होटल मालिक ने अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर खुद को हिंदू बताया। कावड़ यात्रियों ने जब यात्रियों ने पेटीएम स्कैनर से भुगतान किया, तो उस पर मुस्लिम नाम देखकर वे भड़क उठे। भ्रम फैलने के बाद यात्रियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने ढाबे पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके चलते पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और कावड़ियों को शांत कराया। योग साधना केंद्र के संस्थापक स्वामी यशवीर महाराज ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पहले ही सभी ढाबों और होटलों पर स्पष्ट नेम प्लेट और मालिक की पहचान दशार्ने का निर्देश देना चाहिए था। स्वामी यशवीर के अनुसार, प्रशासन की लापरवाही का ही परिणाम है कि कुछ लोग अब भी पहचान छिपाकर धार्मिक यात्रियों को गुमराह कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच का आश्वासन देते हुए बताया कि क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से निपटने के लिए निगरानी और गश्त को तेज किया गया है। वहीं इस घटना के बाद से प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

## धार्मिक — देश में सावन के पहले सोमवार की धूम

# शिवालयों में हर-हर महादेव की गूंज, अमरनाथ तीर्थयात्रियों की दुर्गम यात्रा जारी

- शिवालयों और अन्य मंदिरों में शिव दर्शन के लिए लगी कतारें


फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

काशी, हरिद्वार और उज्जैन से लेकर सारे देश में आज सावन के पहले सोमवार की धूम है। लोग सुबह से पवित्र जलधाराओं में स्नान और डुबकी लगाकर देवों के देव महादेव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर रहे हैं। शिवालयों और अन्य मंदिरों में शिव दर्शन के लिए कतार लगी हुई है। चहुं दिशाओं में हर-हर महादेव की गूंज हो रही है। भगीरथ की तपस्या से धरती पर उतरीं मां गंगा नदी के तटीय शहरों, कस्बों और गांवों के पवित्र घाटों में तड़के तीन-चार बजे से लोग डुबकी लगाकर भगवान शंकर को जल चढ़ा रहे हैं। इस बीच अमरनाथ तीर्थयात्रियों की दुर्गम यात्रा जारी है। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के मदुरै के थिरुपरनकुन्द्रम में सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में कुंभभिषेकम का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में क्षीरेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में तिल रखने की जगह शेष नहीं है। लोग धैर्य पूर्वक जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ रहे हैं। सारे देश के शिवालयों में लगभग ऐसा ही दृश्य है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मां गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। यहां के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। सबसे पहले बाबा को जल से स्नान कराया गया।

### श्रावण के पहले सोमवार को घर-घर जाएंगे शिव

**भोपाल।** विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रौ मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में आज पहली सवारी निकलेगी। इस दौरान भगवान महाकाल श्री मनमहेश के रूप में पालकी में विराजित होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकलेंगे और उज्जयनी के अनेक घर के द्वार से निकलकर उनका हालचाल जानेंगे। जिसमें कि नगरवासी अपने इष्ट महाकालेश्वर का वैदिक उद्घोष के साथ स्वागत करेंगे। वातावरण में सभी की मंगलकामनाओं के लिए वैदिकमंत्र शांतिपाठ के साथ गूंजेगा, आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उद्भिदःङ्ग.तात्पर्य यह कि कल्याणकारक, न दबनेवाले, पराभूत न होने वाले, उच्चता को पहुँचानेवाले विचार चारों ओर से हमारे पास आयें। प्रगति को न रोकने वाले, प्रतिदिन सुरक्षा करने वाले देव हमारा सदा संवर्धन करने वाले हों। सरल मार्ग से जाने वाले देवों की कल्याणकारक सुबुद्धि तथा देवों की उदारता हमें प्राप्त होती रहे। हम देवों की मित्रता प्राप्त करें, देव हमें दीर्घ आयु हमारे दीर्घ जीवन के लिये दें। उन देवों को प्राचीन मन्त्रों से हम बुलाते हैं। आज का दिन उज्जैनवासियों के लिए अत्यंत शुभ है। ऐसे में मध्य प्रदेश के जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के माध्यम से भगवान महाकाल की सवारी में जनजातीय कलाकारों का दल अपने आराध्य को विभिन्न कलाओं के माध्यम से नमन करेगा। इस संबंध में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक का कहना है कि भगवान महाकाल की सवारी शाम चार बजे नगर भ्रमण पर निकलेगी। इससे पूर्व महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का विधिवत पूजन-अर्चन होगा। उसके पश्चात भगवान श्री मनमहेश रजत पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी जाएगी। उसके बाद सवारी परंपरागत मार्ग महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी से होती हुई रामघाट पहुंचेगी। जहं मां क्षिप्रा नदी के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ की धर्मशाला, कार्तिक चौक खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होती हुई पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेगी। भगवान महाकालेश्वर की सवारी का सजीव प्रसारण मंदिर प्रबंध समिति के फेसबुक पर व सवारी के दौरान चलित रथ में एलईडी के माध्यम से सवारी मार्ग में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को सजीव दर्शन की व्यवस्था की गई है। इस चलित रथ की विशेषता यह है कि, इसमें लाइव बॉक्स रहेगा, जिससे लाइव प्रसारण निर्बाध रूप से होगा।

# चेल्सी ने पीएसजी को हराकर जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब

## पहले हाफ में ही निपटा दिया मुकाबला, पीएसजी पूरी तरह फेल, नेवेस को लाल कार्ड

**ऐतिहासिक जीत, 125 मिलियन डॉलर की इनामी राशि**

एजेंसी (हि.स.)
ईस्ट रदरफोर्ड

कोल पामर के दो गोल और एक शानदार असिस्ट की बदौलत चेल्सी ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराकर नया इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब 32 टीमों के इस नए प्रारूप में क्लब वर्ल्ड कप खेला गया और चेल्सी इसका पहला विजेता बना।

यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने के बाद अमेरिका पहुंची पीएसजी इस मुकाबले की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, खासकर सेमीफाइनल में रियल मैड्रिड को 4-0 से हराने के बाद। लेकिन फाइनल में चेल्सी ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली, जिससे मैच पूरी तरह एकतरफा हो गया। मैच के 22वें मिनट में मॉलो गुस्टो की सहायता से कोल पामर ने पहला गोल किया। 30वें मिनट में पामर ने एक बार फिर गेंद को गोल में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। फिर 43वें मिनट में पामर ने शानदार पास देकर जोआओ पेड्रो को गोल कराया और स्कोर 3-0 कर दिया।

फोटोः हि.स.

जोआओ पेड्रो, जिन्हें टूनार्मेंट के दौरान ब्राइटन से साइन किया गया था, सेमीफाइनल में भी फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल कर चुके थे। फाइनल में उन्होंने भी अपनी चमक बिखेरी।

पीएसजी की टीम, जो इससे पहले अपने पिछले आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खा चुकी थी, चेल्सी के सामने पूरी तरह बिखर गई। मैच के अंत में जोआओ नेवेस को मार्क कुकुरेला के बाल खींचने पर वीएआर रिव्यू के बाद लाल कार्ड दिखाया गया।

यह जीत चेल्सी के लिए बेहद खास रही, क्योंकि इस सीजन में उसने यूईएफए कांफ्रेंस लीग भी जीती और प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिलेगी।

### ट्रम्प की मौजूदगी और सुपर बाउल जैसा माहौल

81,118 दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए इस मुकाबले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद रहे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया।

### पीएसजी के लिए निराशा, अब सुपर कप पर निगाहें

भले ही पीएसजी इस खिताब को नहीं जीत पाई, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग-कप डबल जीतना उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही। अब लुइस एनरिक की टीम एक महीने के विश्राम के बाद यूईएफए सुपर कप में टोटनहम हॉटस्पर के खिलाफ भिड़ेगी।

# मार्क मार्केज ने जीता जर्मन मोटोजीपी

**भाई एलेक्स पर चैंपियनशिप बढ़त को किया और मजबूत**

एजेंसी (हि.स.)
सैक्सनरिंग

फोटोः हि.स.

डुकाटी राइडर मार्क मार्केज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें ह्यकिंग ऑफ सैक्सनरिंगह्व क्यों कहा जाता है। अपने 200वें मोटोजीपी रेस में हिस्सा लेते हुए मार्केज ने रविवार को जर्मन ग्रां प्री का खिताब जीत लिया। यह एक ऐसी रेस थी, जो अंत तक सिर्फ 10 राइडर्स के पूरा कर पाने के चलते ₹सर्वाइवल टेस्ट₹ बन गई।

यह सैक्सनरिंग पर मार्क की नौवीं मोटोजीपी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने अपने भाई एलेक्स मार्केज पर चैंपियनशिप की बढ़त को 83 अंकों तक पहुंचा दिया। एलेक्स ने दूसरी पोजिशन हासिल की, जबकि मार्क के डुकाटी टीममेट फ्रांसेस्को बगनैया तीसरे स्थान पर रहे और अब वह चैंपियनशिप में 147 अंक पीछे हैं।

एलेक्स ने इस रेस में पांचवीं ग्रिड पोजिशन से शुरूआत की थी और यह उनका 100वां मोटोजीपी रेस था। खास बात यह रही कि वह अभी भी डच ग्रां प्री में हाथ में आई फ्रैक्चर और सर्जरी से उबर ही रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। रेस के दौरान कई राइडर्स पहले मोड़ (टर्न-1) पर क्रैश हुए, जिनमें वीआर46 रेसिंग के फाबियो डी जियानन्तोनियो और एप्रिलिया के मार्को बेजेकी जैसे दावेदार शामिल थे, जो उस समय दूसरे स्थान पर चल रहे थे। हालांकि दिन पूरी तरह मार्क मार्केज के नाम रहा। उन्होंने अपने चहेते ट्रैक पर जीत का जश्न कुछ खास अंदाज में मनाया – बाइक पर खड़े होकर, डांस करते हुए उन्होंने चेकर फ्लैग पार किया। यह लगातार चौथा वीकेंड रहा जब उन्होंने स्प्रिंट और मुख्य रेस दोनों जीते।

मार्क ने कहा, सैक्सनरिंग पर एक और जीत हासिल करना बेहद खास है। शुरूआत से ही मुझे आत्मविश्वास था, क्योंकि हम लगातार तीन जीत के साथ यहां आए थे। अब हम कह सकते हैं कि आधा सीजन पूरा हो चुका है, लेकिन अगले हिस्से में भी हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा। शनिवार को उन्होंने सीजन की सातवीं पोल पोजिशन हासिल की थी और भीगी हुई ट्रैक पर स्प्रिंट रेस भी जीती थी, हालांकि पहले मोड़ पर गलती हुई थी। लेकिन मुख्य रेस में उन्होंने बेहतरीन शुरूआत की और टर्न-1 में लीड पकड़ ली, पीछे थे बेजेकी और डी जियानन्तोनियो। जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ती गई, मार्क ने अपना अंतर बनाना शुरू कर दिया। वहीं पीछे बेजेकी और जियानन्तोनियो आपस में जगह बदलते रहे और एलेक्स व पेड्रो अकॉस्टा चौथे स्थान के लिए संघर्ष करते रहे। लेकिन अंततः बाजी मार्क मार्केज के नाम रही, जो इस समय मोटोजीपी के सीजन में जबरदस्त लय में नजर आ रहे हैं।

# जैनिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज को हराकर जीता पहला विंबलडन खिताब

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

इटली के जैनिक सिनर ने रविवार को विंबलडन फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अपने करियर का पहला विंबलडन खिताब जीत लिया है। यह सिनर का कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस जीत के साथ सिनर ने न केवल पांच सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन फाइनल में अल्काराज से मिली हार का बदला लिया, बल्कि स्पेनिश खिलाड़ी की ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में अजेय रहने की लय को भी तोड़ दिया। विश्व नंबर-1 सिनर को मैच के पहले सेट में हार मिली थी। इसके बाद उसने शानदार वापसी करते हुए आगे के सारे सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त ली थी, लेकिन इसके बाद सिनर ने लगातार तीन सेटों में एक जैसी स्कोरलाइन (6-4, 6-4, 6-4) से जीत हासिल की।

फोटोः हि.स.

23 वर्षीय जैनिक सिनर ने फाइनल जीतने के बाद कहा, यह पल मेरे लिए बेहद खास है। विंबलडन जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है, और आज वह सपना सच हुआ। विंबलडन में यह हार कार्लोस अल्काराज की 20 मैचों की अपराजित लय का अंत भी है। इससे पहले उन्होंने 2023 और 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। साथ ही, सेंटर कोर्ट पर वह 24 मैचों से अजेय थे।

गौरतलब है कि विंबलडन में अल्काराज को इससे पहले आखिरी बार 2022 में जैनिक सिनर ने ही हराया था, जब दोनों चौथे दौर में आमने-सामने हुए थे।

### सात्विक-चिराग की निगाह खिताब तथा सिंधू और लक्ष्य की फॉर्म में वापसी पर

**तोक्यो।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूनार्मेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने और खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी इस सत्र में तीन टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इसके अलावा उन्होंने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी लेकिन इस सत्र में अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। जनवरी में मलेशिया और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद यह स्टार जोड़ी सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं और चिराग की पीठ की चोट के कारण कई सप्ताह तक बाहर रही। उन्होंने पूरी तरह से फिट होने के बाद अच्छी वापसी की तथा सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई और इंडोनेशिया में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। जापान ओपन में यह जोड़ी अपने अभियान की शुरूआत कोरिया के कांग मिन ह्युक और की डोंग जू के खिलाफ करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू 950,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे।

# फिडे महिला वर्ल्ड कपः दिव्या और हम्पी प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने क्रोएशिया की तियोदोरा इंजैक को हराकर चल रहे फिडे महिला वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

रविवार को हुए मुकाबले में दिव्या ने पहले गेम में काले मोहरों से खेलते हुए इंजैक को पराजित किया। इसके बाद दूसरा गेम ड्रॉ रहा, जिससे उन्हें तीसरे राउंड में जीत हासिल हुई और अगले दौर का टिकट मिला। दिव्या के बाद सीनियर भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने भी प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने पोलैंड की क्लाउडिया कुलॉन को हराया। हम्पी का पहला गेम ड्रॉ रहा, लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने काले मोहरों से बाजी मार ली।

वहीं, भारत की तीन अन्य प्रतिभागी – वंतिका अग्रवाल, आर. वैषाली, और हरिका द्रोणावल्ली – भी तीसरे राउंड में मुकाबले खेल चुकी हैं, लेकिन उनके सभी गेम ड्रॉ रहे हैं।

अब सबकी निगाहें अगले दौर पर टिकी हैं, जहां भारतीय शतरंज खिलाड़ी एक और मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी।

### बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप ने अलग होने की घोषणा की

**नई दिल्ली।** भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और उनके पति पारुपल्ली कश्यप ने आपसी सहमति से अलग होने के फैसले की घोषणा की है। रविवार को इंस्टाग्राम पर साइना ने एक निजी अपडेट साझा किया जिसने खेल जगत को हैरान कर दिया है। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन साइना ने लिखा, ह्यह्यजिंदगी हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाती है। बहुत सोच-विचार के बाद कश्यप पारुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का विकल्प चुन रहे हैं। उन्होंने लिखा, ह्यह्यमैं उन यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। इस दौरान हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। साइना और पूर्व शटलर कश्यप ने दिसंबर 2018 में शादी की थी।

# भारतीय धाविका याराजी की हुई एसीएल सर्जरी वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में खेलना संदिग्ध

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली,


फोटोः हि.स.

भारतीय एथलेटिक्स की स्टार और 100 मीटर हर्डल्स की एशियाई चैम्पियन ज्योति याराजी ने अपने दाएं घुटने में एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के चलते सर्जरी करवाई है। इस बात की पुष्टि खुद याराजी ने रविवार को इंस्टाग्राम के जरिए की। याराजी को यह चोट एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जानकारी साझा करते हुए कहा, ₹मैं यह बताते हुए खुश हूं कि शुक्रवार को मैंने डॉ. दिनशॉ परडीवाला के साथ सफलतापूर्वक अपने दाएं घुटने की एसीएल सर्जरी करवाई।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं, क्योंकि यह चोट मुझे उस चीज से दूर कर रही है जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करती हूं। गौरतलब है कि याराजी ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 12.96 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालिफाई करने वाले 12.73 सेकंड के समय से पीछे रह गई थीं, फिर भी वह रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन की दौड़ में बनी हुई थीं।

फिलहाल वह रैंकिंग कोटा के तहत पात्र एथलीटों में 12वें स्थान पर थीं और 24 अगस्त की समयसीमा से पहले उन्हें और स्पधाओं में भाग लेकर अपनी स्थिति बनाए रखनी थी। लेकिन अब चोट और सर्जरी के कारण उनका वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेना संदिग्ध माना जा रहा है।



# आज मनाया जाएगा विश्व युवा कौशल दिवस

**विश्व युवा कौशल दिवस प्रतिवर्ष 15 जुलाई को मनाया जाता है। यह युवाओं को रोजगार, अच्छे काम और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व पर केंद्रित है। यह दिन दुनिया भर के युवाओं को रोजगार, काम और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए है। यह दिन युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के महत्व को मनाने, स्वीकार करने के लिए है।**

### भारत में इसी दिन शुरू हुई थी प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

15 जुलाई 2015 को पहले विश्व युवा कौशल दिवस के मौके पर भारत में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की शुरूआत की गई थी। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इस योजना के तहत सरकार की तरफ से देश के युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में निःशुल्क में औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वो रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 साल के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने और एक साल के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के बाद सरकार की ओर से एक सर्टिफिकेट दिया जाता है। ये सर्टिफिकेट देशभर में मान्य है। इस सर्टिफिकेट के बाद युवा देशभर में स्किल्स के आधार पर कहीं भी रोजगार आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कोरोना काल से पहले करीब 3231 युवाओं को इस मिशन के जरिए ट्रेनिंग दिलाई गई और 2778 को रोजगार दिया गया। फिलहाल कोरोना के चलते ये मिशन बंद पड़ा है।

### विश्व कौशल दिवस मनाने का महत्व

यह दिन दुनियाभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है। इस दिन युवा, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं और विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक अनूठा अवसर प्रदान किया जाता है। लैंगिक असमानता को समाप्त करने और कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को भी बढ़ावा देने के लिए भी इस दिन खास है। भारत सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जाती है। जिनमें से कुछ युवाओं के लिए खास होती है। कई स्कीम खेल को लेकर युवाओं को प्रोमोट करती हैं। आइए एक नजर इन्हीं योजनाओं पर डालें।

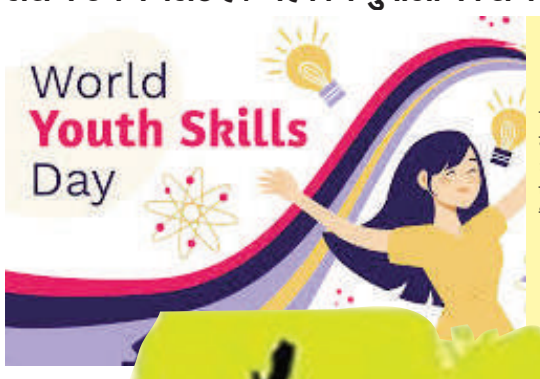




### स्टार्टअप इंडिया

स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार द्वारा चलाई जाने वाली खास योजना है। जो युवन को स्टार्टअप करने, नए कारोबार को करने, नवविचार को प्रभावित करने में मदद करती है। इसका मकसद भारत में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देना है। और एक मजबूत परिस्थिति का निर्माण करना है जहां युवा अपने नए विचारों और बिजनेस स्किल को खुल कर दिखा पाएं।

### पीएम मंत्री कौशल विकास योजना

इन योजना को साल 2015 में लॉन्च किया गया था। इस योजना के तहत युवाओं को अलग-अलग स्किल्स और प्रोग्राम की ट्रेनिंग फ्री में दी जाती है। साथ ही एक सर्टिफिकेट भी दिया जाता है। जिसका उद्देश्य इंडस्ट्री का ग्रोथ और युवाओं के बीच रोजगार के ऑप्शन बनाना है। इस योजना ने अब तक कई लोगों को लाभ पहुंचाया है।

### पीएम रोजगार योजना

प्रधानमंत्री रोजगार योजना भी भारत सरकार द्वारा चलाई योजनाओं में से एक है। इस योजना को साल 1993 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत बेरोजगात युवाओं और महिलाओं को लोन उपलब्ध करवाया जाता है। ताकि वो नया कारोबार शुरू कर पाए।

### नेशनल अप्रेन्टस्शिप प्रोमोशन स्कीम

यह भी भारत सरकार की खास योजनाओं में से एक है। जिसका उद्देश्य अप्रेन्टिसशिप को प्रोमोट करना है। इस योजना के तहत युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाती है। ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधाएं भी मिलती है। कई इंडस्ट्री और कंपनियां इस योजना के तहत एक निर्धारित स्टीपेंड पर एक फिक्स समय के लिए रोजगार देता है।

### ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम

यह भारत सरकार द्वारा चलाई जाने वाली खास योजना है। पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भविष्य में सतत विकास विकास को लेकर खास वोकेशनल ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें उन जॉब्स को शामिल किया जाता है, जो एनर्जी कन्जम्शन को कम करें और पर्यावरण की सुरक्षा करें। प्रोग्राम खासकर मैकेनिकल/टेक्निकल स्किल को लेकर होता है।

# हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी ने उपायुक्त के साथ समाधान शिविर में सुनी शिकायतें, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

## उपायुक्त ने सबडिविजनल लेवल विजीलेंस कमेटी को गांव रतेवाली पुल मामले की जांच करने के दिए निर्देश

संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती ने उपायुक्त मोनिका गुप्ता के साथ आज लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा की और शिकायतों का समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता ने रतेवाली गांव के बन्सीलाल की गांव में जलभराव व पुल की शिकायत के मामलें में एसडीएम पंचकूला को अधिकारियों के साथ व शिकायतकर्ता को मौके पर बुलाकर मुआयना करने के निर्देश दिए व सबडिविजनल लेवल विजीलेंस कमेटी में मामले की जांच करने को कहा।




उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिला के 14 लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। समस्याओं में पानी निकासी, मुआवजा, निशानदेही, छात्रवृति, पेंशन, परिवार पहचान पत्र, 100 गज के प्लाट शामिल है। उपायुक्त ने कंडियाला गांव के सरपंच की आधी सडक नगर परिषद कालका द्वारा न बनाने को लेकर संज्ञान लेते हुए संयुक्त आयुक्त नगर निगम को मामलें की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के निदेर्शानुसार जिले की जनता की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि जिले की जनता की समस्याओं का अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर निदान करें ताकि जनता को बिना वजह के अपने कार्यों के लिए जिला प्रशासन के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पडे। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर की मुख्यमंत्री स्वयं मॉनिटरिंग करते है व स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर लोगों की समस्याओं पर की गई कार्रवाही की चैकिंग भी करते है। इसलिए कौताही की कोई गुंजाइश नहीं है। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, जिला राजस्व अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरणए आयुष विभागए जिला परिषदए पीएचईडी विभागए एमआई काडा विभागए राजस्व विभागए शिक्षा विभागएए स्वास्थ्य विभागए बाल कल्याण विभागए महिला एवं बाल विकास विभागए मत्सय विभागए पुलिस विभागए माईनिंगए पीडब्लयूडी बीएंड आरए सिंचाई विभागए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभागए यूएचबीवीएनए नगर निगम कालका व पंचकूला के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## व्यास नदी पर कमजोर स्थानों की मरम्मत और अस्थायी तटबंधों को मजबूत करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए: राणा इंद्र प्रताप सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

सुल्तानपुर लोधी से निर्दलीय विधायक राणा इंद्र प्रताप सिंह ने आज विधानसभा में व्यास नदी में आई बाढ़ और तटबंधों के मजबूतीकरण पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अध्यक्ष के माध्यम से सदन को बताया कि पिछले 6 महीनों के दौरान, उन्हें हरिके से ढिलवां तक नदी तट पर 12 से 15 ऐसे स्थान मिले हैं जहाँ तटबंध बेहद कमजोर साबित हो रहे हैं और ज्यादा पानी आने पर बाढ़ का खतरा हमेशा बना रहता है। विधायक ने ये विचार आज विधानसभा में ध्यानाकर्षण के दौरान व्यक्त किए।

राणा इंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह सारी जानकारी ज़िले के उपायुक्त और मंत्री स्तर पर साझा की गई थी। संबंधित विभाग को पत्र भी भेजे गए, लेकिन जहाँ और मजबूतीकरण की जरूरत थी, वहाँ भी कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह सारा खर्च नरेगा योजना के तहत किया जा सकता था, लेकिन इसके बावजूद काम नहीं हुआ। इस मुद्दे पर विधायक ने 3 पूरक प्रश्न भी पूछे, जिसमें उन्होंने पंजाब सरकार से बाढ़ के मुद्दे पर गंभीरता दिखाने का आग्रह किया।

उन्होंने सदन को याद दिलाया कि पिछली बाढ़ के दौरान गोइंदवाल पुल के पास लगभग 125 एकड़ में एक अलग तरह का तटबंध बनाया गया था, जिससे पानी नहीं बहता। उन्होंने कहा कि अगर इस जगह पर विलवणीकरण किया जाए, तो तटबंध के टूटने का खतरा कम हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भी तटबंधों में अवैध खनन चल रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा और बढ़ रहा है।

उन्होंने पूछा कि क्या पंजाब सरकार ने पिछले 6 महीनों में इस मुद्दे पर कोई गंभीर चर्चा की है? अंत में, राणा इंद्र प्रताप सिंह ने पंजाब सरकार से अपील की कि पुराने तटबंधों का गहन निरीक्षण करवाया जाए और नदियों की वहन क्षमता को ध्यान में रखते हुए नए और उन्नत तटबंधों की योजना तैयार की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उनके क्षेत्र के लोग बांध बनाने के लिए अपनी जमीन देने को तैयार हैं।

सावन के पहले सोमवार के अवसर पर दविंदर आनंद अपनी धर्मपत्नी मेघा आनंद और माता शकुंतला देवी के साथ प्राचीन शिव मंदिर सेक्टर 24 में पूजा अर्चना करते हुए।

## स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की पुण्य तिथि पर एसडी कॉलेज में लंगर आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के पूर्व प्रेसिडेंट स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में सोमवार को सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज, परिसर में लंगर (सामुदायिक भोजन) का आयोजन किया, जिसमें सेवा, विनम्रता और एकता के मूल्यों को दशार्या गया, जिन्हें स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा ने बहुत महत्व दिया था। लंगर में जीजीडीएसडी कॉलेज मैनेजिंग सोसाइटी के महासचिव डॉ. अनिरुद्ध जोशी, डॉ. एसके शर्मा, डॉ. पीके बजाज और जतिंदर भाटिया (वित्त सचिव) के साथ-साथ प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। इस दौरान स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को



भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कई पूर्व छात्र और शुभचिंतक भी श्रद्धांजलि अर्पित करने और सेवा के इस महान कार्य में भाग लेने के लिए इसमें शामिल हुए। इस दौरान कॉलेज का वातावरण कृतज्ञता और आत्मचिंतन की शांत भावना से परिपूर्ण था, क्योंकि कॉलेज समुदाय एक दूरदर्शी नेता की विरासत का सम्मान करने के लिए एक साथ आया था, जिनका संस्थान के लिए योगदान अमूल्य है। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को एक मार्गदर्शक शक्ति और एक प्रतिबद्ध शिक्षाविद् के रूप में याद किया, जिन्होंने जीजीडीएसडी कॉलेज को क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों में से एक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. शर्मा ने कहा कि जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के अधीन सभी शिक्षण संस्थानों के विकास में उपकार कृष्ण शर्मा के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सेवा, विनम्रता और शिक्षा एवं सामुदायिक उत्थान के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उपकार कृष्ण शर्मा एक दूरदर्शी शिक्षाविद् और प्रबंधन विशेषज्ञ थे। इस कार्यक्रम ने स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा के स्थायी मूल्यों और भावना की याद दिलाई, जिनकी स्मृति कॉलेज को समग्र शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के अपने मिशन में प्रेरित करती रहती है।

## प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को पंजीकरण करवाना आवश्यक, बिना पंजीकरण चल रहे प्राइवेट प्ले वे स्कूल होंगे बंद

संवाददाता
पंचकूला

जिला में चल रहे सभी प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को एन.सी.पी.सी.आर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राईट )की हिदायतों के अनुसार चलाया जाना चाहिए। एनसीपीसीआर.जीओवी.इन साईट पर प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों के लिए हिदायते उपलब्ध करवाई गयी है।

उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता ने बताया कि सरलहरियाणा.जीओवी.इन साईट पर ऑनलाइन माध्यम से एप्लीकेशन जमा करवा सकते है। प्राइवेट प्ले वे स्कूलों के पंजीकरण के लिए संचालक अब सरल पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते है।

उन्होंने बताया कि जिला पंचकुला में चल रहे प्राइवेट प्ले वे स्कूलों का एन.सी.पी.सी.आर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राईट ) की हिदायतों की पालना सुनिश्चित करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया जाना अनिवार्य है। जिला के जिन प्राइवेट प्ले वे स्कूलों ने पंजीकरण नही करवाया है वो जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम जल्द ही जिले भर में निरिक्षण अभियान शुरू करेगी, निरिक्षण के दौरान बिना पंजीकरण के पाए गए प्राइवेट प्ले स्कूलों को तुरंत बंद कर दिया जायेगा और उनके खिलाफ नियमानुसार कारवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उदेश्य बच्चों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर ध्यान देना है। प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों की गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को सुनिश्चित करना है। जिले में कई ऐसे प्राइवेट प्ले-वे स्कूल चल रहे है जो ना तो पंजीकृत है और ना ही उनके पास बुनियादी सुविधाए मोजूद है।

## हरियाणा की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति ने वित्तीय समावेशन योजनाओं के अंतर्गत संतृप्ति के लिए तीन महीने का अभियान शुरू किया

संवाददाता
चंडीगढ़

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी तीन महीने के अभियान के हिस्से के रूप में, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), हरियाणा ने महाप्रबंधक श्री ललित तनेजा के संयोजकत्व में प्रमुख वित्तीय समावेशन योजनाओं के तहत संतृप्ति प्राप्त करने के लिए राज्य भर में एक गहन अभियान शुरू किया है।

1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य सभी पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत लाना है। इसके अतिरिक्त, शिविरों में बैंकिंग सेवाओं से वंचित वयस्कों के लिए पीएमजेडीवाई (प्रधानमंत्री जन धन योजना) खाते खोलने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

हरियाणा भर की ग्राम पंचायतों (जीपी) और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में कुल 6,221 शिविरों की योजना बनाई गई है। नामांकन के अलावा, अभियान का ध्यान इन पर भी केंद्रित हैः निष्क्रिय पीएमजेडीवाई और अन्य खातों का पुनः केवाईसी। डिजिटल बैंकिंग और साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाना। आरबीआई को हस्तांतरित दावा न की गई जमाराशियों को पुनः प्राप्त करने की प्रक्रियाओं तथा बैंकिंग लोकपाल के लाभों के बारे में नागरिकों को शिक्षित करना। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के अंतर्गत बीमा दावों का वितरण..




समन्वित प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए, हरियाणा सरकार के वित्त सचिव, आईएएस, श्री सी जी रजनीकांतन की अध्यक्षता में 25 जून 2025 को एक विशेष एसएलबीसी बैठक बुलाई गई थी। बैठक में हरियाणा के सभी 22 जिलों के उपायुक्तों, अतिरिक्त उपायुक्तों (वेबएक्स के माध्यम से), प्रमुख जिला प्रबंधकों और प्रमुख बैंकों के नियंत्रण प्रमुखों ने भाग लिया। अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ 01 जुलाई 2025 को ग्राम पंचायत बस्तारा, करनाल में श्री सोनू भट्ट, आईएएस, अतिरिक्त उपायुक्त, करनाल की उपस्थिति में किया गया और इसमें लगभग 100 लोगों ने भाग लिया।

1 जुलाई 2025 को अभियान के शुभारंभ के बाद से, हरियाणा ने उत्साहजनक भागीदारी और स्थिर प्रगति देखी है। 11 जुलाई 2025 तक, विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 946 शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं, जो अब तक 799 ग्राम पंचायतों को कवर कर चुके हैं। इस अवधि के दौरान, बिना बैंक खाते वाले वयस्कों के लिए 2,805 नए पीएमजेडीवाई खाते खोले गए हैं, साथ ही पीएमएसबीवाई के तहत 8,012 नए नामांकन और पीएमजेजेबीवाई के तहत 5,118 नए नामांकन हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 1,661 नागरिक अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में शामिल हुए हैं। समानांतर रूप से, अभियान ने 2,807 निष्क्रिय पीएमजेडीवाई खातों को अपडेट करने और 3,096 अन्य खातों के लिए री-केवाईसी पूरा करने में मदद की है, जिससे ग्राहक रिकॉर्ड की सटीकता और विश्वसनीयता मजबूत हुई है। प्रयासों से पीएमजेजेबीवाई के तहत 10 दावों और पीएमएसबीवाई के तहत 1 क्लेम का वितरण भी हुआ है इस संतृप्ति अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक पीछे न छूटे, जिससे लोगों को वित्तीय सुरक्षा, बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच के साथ सशक्त बनाया जा सके। हरियाणा का मजबूत बैंकिंग नेटवर्क - अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 5465 बैंक शाखाएं, 55135 बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट (बीसीए), 144 वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी), 51 वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) और 21 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) - इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

### अपेक्षित परिणाम

नागरिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वित्तीय लचीलापन बढ़ाना।

औपचारिक वित्तीय सेवाओं और डिजिटल बैंकिंग का उपयोग बढ़ाना।

डिजिटल सुरक्षा और उपभोक्ता अधिकारों के बारे में अधिक जागरूकता।

समावेशी विकास, उद्यमशीलता और गरीबी उन्मूलन में योगदान, प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप

## संक्षिप्त-समाचार

### प्रशासक प्रत्येक बुधवार को यू.टी. सचिवालय में जन सुनवाई करेंगे

**चंडीगढ़।** श्री गुलाब चंद कटारिया, प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़ ने यह निर्णय लिया है कि वे प्रत्येक बुधवार को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक यू.टी. सचिवालय, सेक्टर-9, चंडीगढ़ में आम जनता से मिलेंगे। जन सुनवाई से पूर्व, प्रशासक पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान प्राप्त जन संदर्भों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा हेतु प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रातः 9:30 बजे से 10:00 बजे तक बैठक करेंगे। वे नागरिक जो प्रशासक से मिलना चाहते हैं, वे अपनी प्रतिवेदन ीॅ-ूॅ@ल्लू.ल्ल ईमेल पते पर भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इच्छुक व्यक्ति अपने प्रतिवेदन भौतिक रूप में निम्नलिखित कार्यालयों में भी जमा कर सकते हैंः अवर सचिव, पंजाब राज भवन, सेक्टर-6, चंडीगढ़ का कार्यालय; अवर सचिव, गृह विभाग, यू.टी. सचिवालय, सेक्टर-9, चंडीगढ़ का कार्यालय। प्रशासक से भेंट केवल पूर्व निर्धारित समय पर ही की जा सकेगी।

### एक लाख तीस हजार की रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

**चंडीगढ़ ।** राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो फरीदाबाद ने आज दिनांक 14.7.2025 को आरोपी सतीश नीलामी अभिलेखक कार्यालय सचिव, मार्किट कमेटी पलवल को शिकायतकर्ता से 1,30,000/- रुपए (एक लाख तीस हजार रुपए) नकद बतौर रिश्वत राशि लेते हुए शिकायतकर्ता के घर प्रेम विहार, वार्ड नं0 19, पलवल के पास से रंगे हाथो गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसकी ताई जी ने अपने नाम से दो दुकाने नई सब्जी मण्डी पलवल अपने पोते के नाम स्थानांतरण की गई थी, जो रिश्ते में उसका भतीजा लगता है। उसने व उसके भतीजे ने एक दरखास्तकरवाने के लिए मार्किट कमेटी पलवल के दफ्तर में दी। आरोपी सतीश नीलामी अभिलेखक कार्यालय सचिव, मार्किट कमेटी पलवल ने उनका ज्तंदेमित व ब्वउचसमजपवद ब्मतजपपिबंजम जारी करने की एवज में उससे रिश्वत की माँग की गई। आरोपी सतीश उपरोक्त उससे पहले 50 हजार रू. बतौर रिश्वत के रूप में ले चुका है तथा उनके द्वारा 60 हजार रू. काम होने के बाद आरोपी को देने तय हुए व सरकारी फीस इस राशी से अलग देनी तय थी। आरोपी द्वारा उनकी दुकान तैयार होने के बाद उनसे बकाया 60,000/-रू. के अतिरिक्त 1,20,000/-रू. नकद अलग से रिश्वत की मांग की जा रही है। आरोपी सतीश उपरोक्त उससे कहता है, कि इस राशी में से 1,00,000/-रू. उसके द्वारा सचिव मार्किट कमेटी पलवल को देने है नहीं तो तुम्हारा सर्टिफिकेट नहीं देगे और तुम्हारे ऊपर 10 लाख रू. अलग से जुमार्ना लगा देंगे। उसके द्वारा आरोपी सतीश उपरोक्त से बार-2 अनुरोध करने पर उसके द्वारा कुल 1,30,000/-रू. नकद रिश्वत देने बारे सहमति दी गई है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्यवाही करते हुये राज्य सतर्कता एंव भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद द्वारा आरोपी सतीश उपरोक्त को शिकातयकर्ता से 1,30,000/-रू. नकद रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी के विरूद्व अभियोग संख्या 20 दिनांक 14.7.2025 धारा 7 पी.सी. एक्ट थाना राज्य सतर्कता एंव भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद में दर्ज किया गया है।

### फ्लिपकार्ट ने फूड फेस्ट 2.0 में मनाया गॉमे फूड डिस्कवरी का जश्न

**चंडीगढ़।** फ्लिपकार्ट ने सफलतापूर्वक फूड फेस्ट 2025 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया है। यह भारत की बदलती खाद्य संस्कृति का उभरता हुआ उत्सव है। क्यूरेटेड सेल के माध्यम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इस फूड फेस्ट का जश्न मनाया गया। इस दौरान ग्राहकों को गॉमे फूड कलेक्शन, नई लॉन्चिंग एवं टॉप ब्रांड्स पर लिमिटेड टाइम ऑफर्स पाने का मौका मिला। इस इवेंट में देशभर से सेलेब्रिटी शेफ, टॉप क्रिएटर्स, आइकॉनिक ब्रांड्स और स्वाद के दीवानों ने हिस्सा लिया। इससे भारत में गॉमे फूड डिस्कवरी एवं कॉमर्स के भविष्य को आकार देने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। फ्लिपकार्ट फूड फेस्ट 2.0 के दौरान जबर्दस्त भव्यता एवं आकर्षण देखने को मिला। इसमें 25,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, 40 से ज्यादा एंगेजमेंट जोन बनाए गए, 10 ब्रांड-लॉन्च व 30 से ज्यादा ब्रांड-शोकेस देखने को मिले, 10 करोड़ से ज्यादा ऑनलाइन इम्प्रेशन एवं विजिट्स हुईं और इन्फ्लूएंसर्स एवं अन्य उपस्थित लोगों ने 1000 से ज्यादा ओरिजिनल कंटेंट क्रिएट किए। गॉमे फूड डिस्कवरी एवं ब्रांड विजिबिलिटी पर केंद्रित इस फेस्ट के दौरान शुगर फ्री, डाबर, हैप्पिलो, सफोला व अन्य ब्रांड ने अपने नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए।

### अवीवा इंडिया ने अवीवा भारत बाल विकास योजना लॉन्च की

**चंडीगढ़।** अग्रणी जीवन बीमा कंपनी अवीवा इंडिया ने अवीवा भारत बाल विकास योजना लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक नॉन-लिंक्ड नॉन पार्टिसिपेटिंग लाइफ इंश्योरेंस सेविंग्स प्लान है, जिसका लक्ष्य अपने बच्चों के लिए सुरक्षित भविष्य के निर्माण में ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी (सेमी अर्बन) भारत के परिवारों की मदद करना है। मात्र 1,000 रुपये मासिक के शुरूआती प्रीमियम के साथ इस प्लान में गारंटीड मैच्योरिटी बेनिफिट एवं लाइफ कवर मिलता है। इससे परिवारों को आत्मविश्वास के साथ बच्चों की उच्च शिक्षा, कौशल विकास या कोई छोटा बिजनेस शुरू करने जैसे खास मौकों की प्लानिंग करने में मदद मिलती है। प्लान के लिए न्यूनतम उम्र 3 साल और अधिकतम उम्र 50 साल रखी गई है। पॉलिसी टर्म 12 से 30 साल और मैच्योरिटी 80 साल की उम्र तक होगी। इससे यह जीवन के अलग-अलग पड़ाव एवं वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से अनुकूल है। मासिक, तिमाही, छमाही और सालाना के रूप में प्रीमियम पेमेंट के फ्लेक्सिबल ऑप्शन से यह विभिन्न परिवारों के बजट में आसानी से फिट हो जाने वाली योजना है। इस लॉन्चिंग को लेकर अवीवा इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर विनीत कपाही ने कहा, ह्यअवीवा भारत बाल विकास योजना को मेट्रो शहरों से बाहर रहने वाले परिवारों की वास्तविक एवं दैनिक जीवन की महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

### जिंदल आईवीएफ का फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन प्रोग्राम कैंसर के मरीजों के लिए बना आशा की किरण

चंडीगढ़। उत्तर भारत में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) और आईवीएफ का एक जाना-माना संस्थान जिंदल आईवीएफ अब कैंसर मरीजों के लिए भी उम्मीद की नई किरण बन रहा है। यह संस्थान अपने फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन प्रोग्राम के जरिए उन मरीजों की मदद कर रहा है जिन्हें कीमोथेरेपी या रेडिएशन जैसे इलाज से पहले अपनी संतान पैदा करने की क्षमता को सुरक्षित रखना होता है। यह प्रोग्राम खासतौर पर कैंसर के इलाज से पहले अंडाणु या शुक्राणु को संरक्षित करने में मदद करता है, ताकि इलाज के बाद भी मरीज माता-पिता बनने का सपना पूरा कर सकें। अब तक 150 से ज्यादा लोगों को इस प्रोग्राम से फायदा मिल चुका है। इस समय जिंदल आइवीएफ में ओसाइट फ्रीजिंग, एम्ब्रियो फ्रीजिंग और शुक्राणु सुरक्षित रखना जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। ये तकनीकें खासतौर पर उन मरीजों के लिए बहुत जरूरी हैं जिन्हें ब्रेस्ट कैंसर, एंडोमेट्रियल कैंसर, रेक्टल कैंसर, शुरूआती ओवरी कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। इसके अलावा, उम्र बढ़ने से घटती प्रजनन क्षमता से जूझ रहे लोगों के लिए भी ये तकनीक काफी फायदेमंद हैं। शादीशुदा महिलाएं आमतौर पर भ्रूण को फ्रीज कराना पसंद करती हैं, ताकि भविष्य में मां बन सकें। वहीं, टेस्टिकुलर कैंसर, लिंफोमा और क्रॉनिक मायलॉयड ल्यूकेमिया जैसे कैंसर से जूझ रहे पुरुषों के लिए स्पर्म फ्रीजिंग एक लाइफ सेविंग ऑप्शन बनकर सामने आया है।

### उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने सीएम अनाउंसमेंट के तहत कार्यों की समीक्षा की

**पंचकूला।** उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने आज जिला पंचकूला की सीएम अनाउंसमेंट की प्रगति की समीक्षा को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की और संबंधित विभागों के अधिकारियों को सीएम अनाउंसमेंट के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने प्रत्येक विभाग अनुसार एक-एक कर सीएम अनाउंसमेंट की प्रगति रिपोर्ट उपायुक्त को विस्तार से बताई। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिला के विकास के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अनेक घोषणाएं की है और यह अधिकारियों का दायित्व है कि वह सीएम अनाउंसमेंट के तहत कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि लोगों को इनका लाभ मिल सके। उन्होंने सभी विभागों को आपसी सामजस्य से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि अंतर्विभागीय मुद्दों की वजह से कार्य लंबित ना हो। यदि कोई कार्य मुख्यालय स्तर पर लंबित है तो अधिकारी उन्हें अवगत करवाए ताकि वे मुख्यालय स्तर पर बातचीत कर-के उन्हें पूरा करवा सके।